वर्ष : 18 अंक: 161 ग्वालियर · शनिवार 12 जुलाई 2025 · पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रु.

दैनिक

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, छतीसगढ़ से प्रकाशित

चम्बल सुर्खी

उत्कृष्ट एवं सफल प्रकाशन के 37 वर्ष

निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का प्रवक्ता

आज का तापमान
अधिकतम 39 डिग्री
न्यूनतम 27 डिग्री

ऑपरेशन सिंदूर पर पहली बार बोले NSA डोभाल: कहा-

एक फोटो दिखाएं जिसमें भारत का नुकसान नजर आए; हमने 9 आतंकी ठिकाने उड़ाए

चेन्नई (ए.)

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) अजित डोभाल ने शुक्रवार को ऑपरेशन सिंदूर पर पहली बार बयान दिया। उन्होंने कहा कि कई विदेशी मीडिया ने पाकिस्तान के खिलाफ भारत की कार्रवाई पर सवाल उठाए। भारत को नुकसान की खबरें चलाईं। उन्होंने कहा कि विदेश मीडिया कोई भी फोटो या सैटेलाइट इमेज नहीं दिखा पाया। ना यह बता पाया कि नुकसान क्या हुआ। डोभाल ने यह बात शुक्रवार को IIT मद्रास के 62वें दीक्षांत समारोह में कही। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमला हुआ था। आतंकियों ने 26 टूरिस्ट्स की हत्या कर दी थी।

इसके जवाब में भारत ने 7 मई को पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) और पाकिस्तान में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। इस दौरान सेना ने 100 आतंकी मार गिराए थे। दोनों देशों के बीच 10 मई की शाम 5 बजे से सीजफायर पर सहमति बनी थी। NSA ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर पर हमें नाज डोभाल ने कहा, टेक्नोलॉजी और वॉरफेयर के बीच संबंध हमेशा महत्वपूर्ण होता है। हमें ऑपरेशन सिंदूर पर नाज है। हमें गर्व है कि इस दौरान हमने स्वदेशी तकनीक इस्तेमाल की। हमने सीमापार नौ पाकिस्तानी ठिकानों पर हमले का फैसला किया था। इनमें एक भी ठिकाना बॉर्डर के पास नहीं था। हमारे सभी निशाने सटीक थे। हमने सिर्फ आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद किया।

उन्होंने कहा, आप एक ऐसे देश, एक ऐसी सभ्यता से ताल्लुक रखते हैं, जो हजार सालों से संकटग्रस्त और लहूलुहान रही है। हमारे पूर्वजों ने बहुत कुछ सहा है।

विद्यार्थी सिर्फ अपनी पढ़ाई की चिंता करें, उनके उज्जवल भविष्य की चिंता सरकार कर रही है- मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने इंदौर में विद्यार्थियों को पुस्तिकाएं वितरित की

इन्दौर (ए.)

विद्यार्थी मन लगाकर पढ़ें, और सिर्फ अपनी पढ़ाई की ही चिंता करें। विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए प्रदेश सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर के बास्केटबॉल कॉम्प्लेक्स परिसर में हिंद रक्षक संगठन द्वारा आयोजित पुण्योदय प्रकल्प कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों के लिए आयोजित पुस्तिका वितरण कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों से कही। इस अवसर पर प्रदेश के जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, विधायक श्री महेंद्र हार्डिया, विधायक सुश्री उषा ठाकुर, विधायक

श्रीमती मालिनी गौड़, विधायक श्री गोलू शुक्ला, इंदौर के महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों को पुस्तिकाएं वितरित की।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए बहुत सी योजनाएं प्रारंभ की हैं। सरकार की योजनाओं की मदद से गरीब से गरीब विद्यार्थी भी अपनी उच्च शिक्षा जारी रख सकता है। वंचित वर्ग के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने तक की सुविधा प्रदेश सरकार ने उपलब्ध कराई है। उन्होंने कहा कि हायर सेकेंडरी परीक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले हजारों मेधावी विद्यार्थियों को सरकार हर साल लैपटॉप वितरित कर रही है। स्कूल में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली विद्यार्थियों को स्कूटी वाहन वितरित किए जा रहे हैं। गांव के बच्चों को स्कूल जाने के लिए निशुल्क साइकिलें वितरित की जा रही हैं। हर साल लगभग 5 लाख साइकिलें विद्यार्थियों को निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। स्कूली विद्यार्थियों को निशुल्क गणवेश और निशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण की योजना भी सरकार ने शुरू की है।

इंटरनेशनल टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव की पिता ने की हत्या: हरियाणा में घर में ही 3 गोलियां मारीं; बेटी के एकेडमी चलाने से नाराज था

गुरुग्राम (ए.)

हरियाणा के गुरुग्राम में जूनियर इंटरनेशनल टेनिस प्लेयर राधिका यादव की उसके ही पिता दीपक यादव ने गोली मारकर हत्या कर दी। घटना गुरुवार की है। पुलिस ने आरोपी दीपक यादव को घर से ही अरेस्ट किया है। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि राधिका टेनिस एकेडमी चलाती थीं, उससे अच्छी

कमाई हो रही थी। उसके पिता को लोग ताने मारते थे कि बेटी की कमाई खा रहा है। इससे वह नाराज था। परिजन के मुताबिक 25 साल की राधिका को टेनिस एकेडमी खोलने के लिए पिता ने ही सवा करोड़ रुपए दिए थे। लेकिन महीनेभर बाद ही एकेडमी बंद करने के लिए बेटी पर दबाव बनाना शुरू कर दिया था। परिवार से यह भी पता चला कि एकेडमी को लेकर 15 दिन से बाप-बेटी में रोजाना झगड़ा हो रहा था। गुरुवार को भी पिता ने उसे टेनिस एकेडमी बंद करने को कहा, लेकिन राधिका नहीं मानी और दोनों में बहस हुई। जिसके बाद आरोपी पिता ने गुस्से में आकर उसे गोलियां मार दीं।

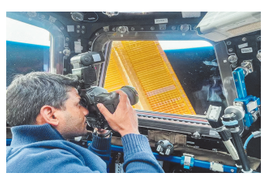

शुभांशु शुक्ला 14 जुलाई को धरती पर लौटेंगे

टेक्सास (ए.)

भारतीय एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला 14 जुलाई को धरती पर लौटेंगे। अमेरिकी स्पेस एजेंसी NASA ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। एक्सियम-4 मिशन के तहत शुभांशु सहित चार क्रू सदस्य इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (ISS) पहुंचे थे। एक्सियम मिशन को 25 जून को फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया था। ड्रैगन अंतरिक्ष यान 28 घंटे की यात्रा के बाद 26 जून को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर डॉक किया गया था। हालांकि, यह मिशन 14 दिनों का था। अब एस्ट्रोनॉट की वापसी चार दिन देरी से होगी। इससे पहले 6 जुलाई को शुभांशु के ISS स्टेशन से कुछ तस्वीरें सामने आईं थीं। जिसमें शुभांशु कपोला मॉड्यूल के विंडो से पृथ्वी देखते नजर आ रहे थे। कपोला मॉड्यूल एक गुंबदनुमा ऑब्जर्वेशन विंडो है, जिसमें 7 खिड़कियां होती हैं।

वेटरनरी ग्राउंड में फायरिंग के बाद छात्रों का प्रदर्शन

पटना (ए.)

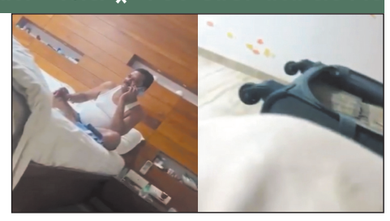

पटना के वेटरनरी ग्राउंड में गुरुवार की देर शाम खेलने के दौरान मारपीट और फायरिंग की घटना हुई। इस घटना में स्टूडेंट मयंक की हाथ में गोली लगी है, जिसका इलाज चल रहा है। शुक्रवार को इस मामले को लेकर वेटरनरी कॉलेज के स्टूडेंट्स का गुस्सा देखने को मिला। सुबह से कॉलेज कैंपस में प्रदर्शन हो रहा है। घटना एयरपोर्ट थाना क्षेत्र की है। बताया जा रहा है कि 2 दिन पहले भी गोली चलाने वाले शख्स से विवाद हुआ था।

शिवसेना विधायक कैश से भरे बैग के साथ दिखे: संजय राउत ने वीडियो पोस्ट किया

आदित्य ठाकरे बोले- महाराष्ट्र में 50 खोखे वाली सरकार

मुंबई (ए.)

महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे गुट के शिवसेना विधायक और फडणवीस सरकार में कैबिनेट मंत्री संजय सिरसाट का एक वीडियो सामने आया है। इसमें वह एक कमरे में कैश से भरे बैग के साथ दिख रहे हैं। उद्धव गुट के सांसद संजय राउत ने सिरसाट का वीडियो X पर शेयर किया है। इसमें वह एक कमरे में बिस्तर पर बैठकर सिगरेट पी रहे हैं। उनके बगल में पैसों से भरी एक बैग रखी है। कमरे में एक कुत्ता भी दिखा। इसके अलावा एक और सूटकेस दिखा। हालांकि, वह बंद था। संजय राउत ने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, लाचारी का दूसरा नाम है- फडणवीस! राउत ने कहा, मुझे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर तरस आ रहा है। वे और कितनी बार वो यूं ही बैठे-बैठे अपनी प्रतिष्ठा को तार-तार होते देखेंगे? उद्धव गुट के शिवसेना विधायक और उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे ने कहा, हम पहले से ही कह रहे थे कि यह 50 खोखे वाली सरकार है, जिसमें पहला खोखा दिख गया है।

सावन के पहले दिन सीएम योगी आदित्यनाथ ने किया रुद्राभिषेक, गोरखनाथ मंदिर में किया हवन

गोरखपुर (ए.)

सावन माह के पहले दिन मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार प्रातः काल रुद्राभिषेक व हवन किया। रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण कर उन्होंने भगवान भोले शंकर से चराचर जगत के कल्याण और सभी नागरिकों के सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। गोरखनाथ मंदिर के अपने आवास के प्रथम तल स्थित शक्तिपीठ में सीएम योगी ने

भगवान भोलेनाथ को विल्व पत्र, दुर्वा, मदार पत्र, कमल पुष्प समेत अनेकानेक पूजन सामग्री अर्पित करने के बाद जल, दूध और ऋतुफल के रस से रुद्राभिषेक किया। मठ के विद्वत आचार्यगण एवं पुरोहितगण ने शुक्ल यजुर्वेद संहिता के रुद्राष्टाध्यायी के महामंत्रों द्वारा रुद्राभिषेक संपन्न

यूपी के इटावा में स्टूडेंट्स से भरी बस डूबी: हिमाचल में 208 सड़कें बंद

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ (ए.)

हिमाचल प्रदेश में तेज बारिश जारी है। पिछले 9 दिनों में बारिश, बादल फटने और लैंडस्लाइड से 46 लोगों की मौत हुई हैं। राज्य की 208 सड़कें बंद हैं। सिरमौर और कांगड़ा में आज बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। उत्तर प्रदेश के इटावा में भारी बारिश के कारण रेलवे अंडरपास में पानी भर गया। इसमें सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी के स्टाफ और छात्राओं से भरी बस 6 फीट गहरे पानी में फंस गई। बस में सवार 24 से अधिक लोगों को एक घंटे बाद बचाया गया। इधर, सिक्किम के ग्यालशिंग जिले में पिछले 24 घंटे से लगातार बारिश जारी है। इससे सुदूर युकसोम कस्बे में लकड़ी के दो पुल टूट गए हैं। कई इलाकों से संपर्क टूट गया है।

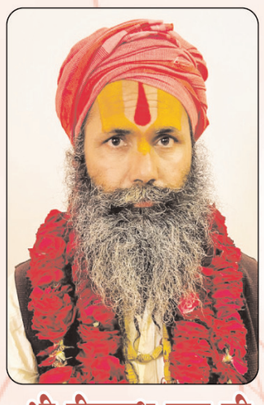

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक रामविलास शर्मा द्वारा चम्बल प्रिंटिंग प्रेस इण्डस्ट्रीज एरिया बानमोर से मुद्रित व एस 12 द्वितीय तल रायल प्लाजा पुराने हाईकोर्ट के सामने ग्वालियर से प्रकाशित । प्रधान संपादक रामविलास शर्मा मोबा.- 9329077393
email-chambalsurkhi@yahoo.com आर.एन.आई. पंजीयन नं MPHIN/2007/20705 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र मुरैना रहेगा। कानूनी सलाहकार युवराज कुलश्रेष्ठ एडवोकेट मो.9229842150 फोन- (07532)- 225779,9827679954

दैनिक चम्बल सुर्खी

38 फीट भरा आवदा डैम, कलेक्टर ने किया अवलोकन, 9 हजार हेक्टयर में होती है इस बांध से सिंचाई

श्योपुर ब्यूरो। श्योपुर जिले के प्रमुख बांधो में शामिल स्टेट टाइम का बना आवदा डैम अच्छी बारिश के चलते सावन मास में 38 फीट भर गया है, बांध की भराव क्षमता लगभग 42 फीट है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा द्वारा आज आवदा पहुंचकर बांध का अवलोकन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गुड्डी बाई आदिवासी, अपर कलेक्टर श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर, एसडीएम श्री मनोज गढवाल, जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री चैतन्य चौहान, सीईओ जनपद श्री राकेश शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि डैम पर एसडीओ एरिकेशन सहित अन्य कर्मचारी की ड्यूटी लगाई जाये तथा जलस्तर पर निगरानी रखी जायें, इसके साथ ही उन्होने एसडीएम श्री गढवाल को निर्देश दिये कि संबंधित पटवारी, पंचायत सचिव की ड्यूटी भी लगाई जायें तथा प्रतिदिन अपडेट लिया जायें। उन्होने एरिकेशन के अधिकारियों को निर्देश दिये कि आवदा बांध की मरम्मत कार्य के लिए नये सिरे से स्टीमेंट बनाकर उनके माध्यम से विभाग को भेजा जायें। इस अवसर पर कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा द्वारा बांध की दीवार की मजबूती के लिए डाउन स्ट्रीम में बांध की दीवार के नीचे दो साल पूर्व किये गये राफ्ट कार्य का जायजा लिया गया एवं बांध का अवलोकन करते हुए नहर के माध्यम से होने वाले सिंचाई व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली गई।कार्यपालन यंत्री जल संसाधन श्री चैतन्य चौहान ने बताया कि डैम का निरीक्षण किया गया है, इसके साथ ही डैम सेफ्टी की टीम से भी निरीक्षण कराया जायेगा, वर्तमान में डैम को लेकर किसी प्रकार की गंभीर समस्या नही है तथा 38 फीट पानी डैम में भर गया है, डैम की भराव क्षमता 42 फीट तक है। उल्लेखनीय है कि आवदा डैम में सीपेज को रोकने तथा बांध की दीवार की मजबूती के लिए वर्ष 2023 में 425 मीटर लम्बी तथा 5 मीटर चौडी राफ्ट डाली गई थी। वर्तमान में बांध में 39.07 एमसीएम पानी का भराव है, जो कि बांध की क्षमता का 86.83 प्रतिशत है। बांध की कुल भराव क्षमता 45.038 एमसीएम है, वर्तमान में 42 फीट बांध में 38 फीट तक पानी भरा हुआ है।

इस बांध से निकली नहर के माध्यम से लगभग दो दर्जन ग्रामों में 9 हजार हेक्टयर क्षेत्र में सिंचाई होती है, पक्के बांध की कुल लम्बाई 1158 मीटर है तथा मिट्टी पाल की लम्बाई 4 हजार 497 मीटर है, करीब 6 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में फैले इस बांध का कैचमेंट एरिया 233 वर्ग किलोमीटर है, यह जिले का प्रमुख बांध है, जिसे सिंधिया स्टेट में 1934 में बनाया गया था, यह बांध रबी सीजन में किसानों की सिंचाई आवश्यकताओं की पूर्ति करता आ रहा है।

विश्व जनसंख्या दिवस पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

श्योपुर ब्यूरो। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित नेहरू युवा केन्द्र द्वारा विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर पीएम श्री शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय श्योपुर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉक्टर ओपी शर्मा, श्री विपिन बिहारी शर्मा, श्री रमेश भारद्वाज, श्री लोकेंद्र जाट, डॉ योगेश बाथम, डॉ रेखा सोलंकी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर डॉ सीमा चौकसे ने किया कार्यक्रम में विश्व जनसंख्या दिवस पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम स्थान ओमा घेंघट द्वितीय स्थान शिवानी बाल्मिक तृतीय स्थान सुनैना धूलिया ने प्राप्त किया। विजेताओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया। आभार प्रदर्शन श्री लोकेन्द्र जाट ने किया, इस अवसर पर मेरा युवा भारत माय भारत श्योपुर की ओर से श्री शिवकुमार दोहरे उपस्थित रहे।

कलेक्टर मंगलवार को विजयपुर में करेंगे जनसुनवाई

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा मंगलवार 15 जुलाई को विजयपुर में जनसुनवाई करेंगे। जनसुनवाई कार्यक्रम जनपद कार्यालय विजयपुर के सभागार में दोपहर 11 बजे से आयोजित होगा। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा द्वारा जनसुनवाई करते हुए आवेदनों का निराकरण किया जायेगा। श्योपुर जिला मुख्यालय से विजयपुर की दूरी को दृष्टिगत रखते हुए तथा आमजन को सुविधा के साथ उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए मंगलवार को विजयपुर में जनसुनवाई आयोजित की गई है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने सभी जिला अधिकारियों को उक्त जनसुनवाई के दौरान विजयपुर में उपस्थित रहने के निर्देश दिये है। जारी आदेश के अनुसार श्योपुर जिला मुख्यालय पर भी पूर्ववत प्रातः 11 बजे से जनसुनवाई कार्यक्रम रहेगा।

पहल किट वितरण कर मनाया विश्व जनसंख्या दिवस, ग्रामीण स्वास्थ्य संस्थाओं पर रैली निकाल कर किया जागरूक

श्योपुर ब्यूरो। विश्व जनसंख्या दिवस अवसर पर ग्राम दयालपुरा की ऑगनवाडी केन्द्र पर सास-बहु सम्मेलन का आयोजन करते हुए जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ जेएस राजपूत द्वारा विवाहित दम्पत्तियों को पहल किट का वितरण किया गया। इस अवसर स्वास्थ्य विभाग के मीडिया अधिकारी श्री आर.बी.शाक्य, डीसीएम श्री अमित श्रीवास, बीसीएम श्रीमती नीतू तोमर, सीएचओ श्रीमती उमा यादव सहित एएनएम, आशा सुपरवाईजर, आशा व आर्गॅनवाडी कार्यकर्ता आदि उपस्थित थे। डॉ. जेएस राजपूत ने इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों को बताया कि इस वर्ष परिवार नियोजन की थीम नियोजित पितृत्व के लिए स्वास्थ्य समय और गर्भाधारण के बीच अंतराल रखना है शादी के एक साल बाद बच्चे का प्लान करने एवं पहले बच्चे के बाद दूसरा बच्चे में तीन साल के अंतराल के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। बताया गया कि इससे मॉ और बच्चे दोनो स्वस्थ्य रहते है शादी के बाद पहला बच्चा एक साल बाद एवं दूसरे बच्चा तीन साल का अंतर रखने के लिए नवदम्पित्तियों को पहल किट का वितरण भी सभी स्वास्थ्य केन्द्रों के माध्यम से किया जा रहा है। इस किट में परिवार नियोजन के अस्थाई साधन जैसे गर्भनिरोधक गोलियॉ, निरोध, निश्चय किट के साथ साथ श्रंगार की सामग्री व विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र भी उपलब्ध रहती है। विवाह पंजीयन प्रपत्र को भरकर आशा के माध्यम से सचिव द्धारा बनाया जाता है, मॉ और बच्चे की भलाई के लिए गर्भधारण सही समय और अंतर रखने से मातृ मृत्यु व शिशु मृत्य दर में कमी लाई जा सकती है। स्वास्थ्य विभाग के मीडिया अधिकारी ने बताया कि बच्चों में तीन साल का अंतर रखने से बच्चे की सही देखभाल व शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है साथ में मॉ भी स्वस्थ्य रहती है। दो बच्चों के बाद स्थाई साधन महिला या पुरूष नसबंदी जरूर कराना चाहिए छोटे परिवार को ही स्वस्थ व विकसित परिवार बना सकते है दो बच्चों को हम अच्छी शिक्षा व स्वस्थ्य जीवन दे सकते है। जनसंख्या स्थरीकरण के लिए पहल किट का अभियान 11 जुलाई से 11 अगस्त 2025 तक चलाया जावेगा जिसमें परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता लाने की गतिविधियॉ की जावेगीं। डीसीएम अमित श्रीवास ने बताया कि सीएचओ व आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से गॉव गॉव में परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता लाने हेतु सास बहु सम्मेलन ,नारे लेखन ,रैलियॉ आयोजित की जा रही है तथा स्वास्थ्य केन्द्रों पर सेल्फ केयर किट लगाई गई है जिसमें परिवार नियोजन साधनों को रखा गया है।

विधानसभा अध्यक्ष ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी से कैलारस की पीड़ित परिवार की हर संभव मदद करने के लिए किया काल

ऋषिकेश में गंगा स्नान के समय कैलारस की मां बेटी वही थी बेटी की बॉडी मिली

कैलारस। 9 जुलाई को कैलारस के सुसानी परिवार की बहु एवं बेटी ऋषिकेश में गंगा स्नान के समय तेज बहाव में वह गई जिनका रेस्क्यू किया जा रहा था लेकिन 10 जुलाई को रेस्क्यू टीम ने मशीनों से रेस्क्यू करने के लिए पीड़ित परिवार को बोला जिसमें बाड़ी डेमेज होने का खतरा था मशीनों से रेस्क्यू किया तो बिटिया का एक पेर निकला बड़ी दर्दनाक खबर थी इसी बीच पीड़ित परिवार रामनिवास सुसानी जो कि भाजपा कार्यकर्ता हे उनके नातिन ओर बहु गंगा में बह गई थी उनसे पूर्व जिला पंचायत सदस्य बनवारीलाल शुक्ला से चर्चा हुई और शुक्ला ने तत्काल पीड़ित परिवार की व्यथा विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर जी को दूरभाष पर बताई तो श्री तोमर जी ने हर संभव मदद का भरोसा दिलाते हुए तत्काल उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जी से चर्चा की मुख्यमंत्री जी ने तत्काल महाराणा प्रताप बैराज के प्रशासनिक अधिकारियों ओर रेस्क्यू दल को निर्देशित कर रेस्क्यू मशीनों न कर बेराज का गेट खोलकर पानी कम करने के निर्देश दिए जैसे ही गेट खोला गया बेटी गोरी की डेड बाड़ी मिल गई और दूसरी बाड़ी बहु मनु की की तलाश की जा रही हे इसी बीच नरेंद्र सिंह तोमर जी लगातार पीड़ित परिवार के संपर्क में रहे और धैर्य रखने को बोलते रहे पूर्व जिला पंचायत सदस्य बनवारीलाल शुक्ला एवं पीड़ित परिवार ने ऐसे संकट की घड़ी में नरेंद्र सिंह तोमर द्वारा एक परिवार के मुखिया की भांति की गई मदद के लिए आभार जताया हे। रेस्क्यू टीम दूसरी बॉडी को निकलने के लिए पूर्ण प्रयास कर रही हे पीड़ित परिवार ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री जी का भी आभार जताया।

ग्राम पंचायत गस्तोली के ग्रामीणों ने जनपद पंचायत में एक ज्ञापन सौपा

सरपंच सचिव ने घटिया कार्य एव सरकारी पेसो का किया दुरुपयोग सरपंच पति के नाम खेत तालाब कागजो में बनाया धरातल पर खेत मे फसल खड़ी है मौके पर कोई कार्य नहीं हुआ।

कैलारस। कैलारस ग्राम पंचायत गस्तौली में मनरेगा से निर्माण कार्य नाम पर हो रही भृष्टाचारी पर रोक लगाने एवं फर्जी मस्टर बन्द करने एवं पंचायत में हो रही अनियमितताओं को रोकने की शिकायत लेकर ग्राम पंचायत गस्तोली के ग्रामीण आज जनपद पंचायत कैलारस के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रामपाल करजरे को एक शिकायती आवेदन दिया शिकायत में बताया गया हे कि ग्राम पंचायत गस्तीली में मनरेगा निर्माण कार्यो के नाम पर होरही भृष्टचार जो रहा हे जिसमें ग्राम पंचायत गस्तौली में खेत तालाब के नाम पर जो मजदूरों के जॉब कार्ड चलाए जा रहे है। वहां मोखे पर कोई मजदूर कार्य नहीं करता है। और कुछ खेत तालाब केवल कागजों में ही चल रहे है। धरातल पर कोई कार्य ही नहीं है. एक खेत तालाव श्रीपति के नाम से कागजों में चलाया जा रहा है। जिसकी राशि 3.54 लाख रूपये पंचायत द्वारा मस्टरों के माध्यम से निकाले गये है। लेकिन धरातल पर कोई तालाव नहीं है। कुछ खेत तालाव ऐसे है, जिनका स्टीमेंट 3.65 लाख के करीब है। जब कि वहां पर इतनी राशि का कार्य नहीं हो सकता, कुछ खेतों की जे.सी.बी. गशीन द्वारा मेड बन्धान करा दी है। और उन पर जॉबकार्ड किसी अन्य का तो फोटो किसी अन्य व्यक्तियों के अपलोड किये जाते है। इसकी जाँच की जावे। ग्राम पंचायत गस्तौली में स्टोनबन्ड निर्माण कार्य कराये जा रहें है। वह विल्कुल घटिया किस्म के बनाये जा रहें है। एक स्टोनबन्ड पशु मुर्दा वाले स्थान पर बनाया गया है। जिसकी दिवार जमीन पर घिर पड़ी है। उक्त स्टोनबन्डो पर कोई भी मजदूर कार्य नहीं कर रहा है फिर भी मस्टर चलाकर राशि हड़पी जा रही है। इसमें सरपंच, सचिव, उपमंत्री सामिल है। जो आंख बन्द करके स्टीमेट बनाकर मस्टरों का मूल्यांकन कर रहे है। तथा मजदूरों की फोटूओं की जाँच की जाये एक ही फोटू चार-चार दिन अपलोड किये जाते है। इसकी जाँच की जावें। ग्राम पंचायत गस्तौली के लीलेर के पुरा पर जो पोखर निर्माण चालू किया गया है। वह पोखर निर्माण पूर्व से ही बनी है। राशि हडपने के उद्देश्य से पोखर निर्माण चालू किया है। जैसे ही मोखा मिलेगा वैसे ही राशि निकाल लेगें इसको बन्द कराया जायें। श्रीमान जी से निवेदन है कि उक्त निर्माण कार्यों को बन्द कर मस्टरों पर रोक लगायी जावे तथा संबंधितों के खिलाप कार्यवाही की जाये अन्यथा हम सी.एम हेल्प लाइन एवं उच्चस्तर शिकायत करेंगे शिकायत देने वालों में। सतीश रजक , जगदीश जाटव ,सुरेंद्र जाटव, नरोत्तम जाटव, बीरसिंह, आदि लोग है अगर जाँच नही हुई तो हम मुरैना कलेक्टर को शिकायत करेंगे।

आज मेरे पास गांव गस्तोली के कुछ लोग आए थे आवेदन दिया है सरपंच सचिव की मनरेगा की शिकायत है में स्वयं जाँच करवा कर कार्यवाही की करूंगा ।

रामपाल करजरे सी ई ओ जनपद पंचायत कैलारस

एसडीएम गोहद ने बीएलओ प्रशिक्षण का लिया जायजा

प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनरों द्वारा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 13-गोहद एवं 10-भिण्ड के बीएलओ को दिया गया प्रशिक्षण

भिण्ड ब्यूरो। महर्षि अरविन्द महाविद्यालय गोहद में निर्वाचन आयोग भोपाल से प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनरों द्वारा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 13-गोहद के बीएलओ का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। एसडीएम गोहद श्री पराग जैन ने बीएलओ प्रशिक्षण का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षण में उपस्थित बीएलओ से निर्वाचक नामावली की अद्यतनीकरण प्रक्रिया की जानकारी लेते हुए विभिन्न तकनीकी पहलुओं से संबंधित शंकाओं का समाधान किया। इस प्रशिक्षण में निर्वाचक नामावली को त्रुटि रहित बनाने के निर्देशों के अन्तर्गत बीएलओ की क्षमता विकास हेतु निर्वाचक नामावली तैयार करने संबंधी प्रक्रिया, घर-घर जाकर सर्वे कर निर्वाचक की जानकारी का सत्यापन करना, मृत, स्थानांतरित, दोहरी प्रविष्टि, बीएलओ रोल प्ले, बीएलओ एप्प की जानकारी आदि के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया।

भिण्ड के बीएलओ को दिया गया प्रशिक्षण

शासकीय उत्कृष्ट उ.मा.वि. विद्यालय क्रमांक 01 में निर्वाचन आयोग भोपाल से प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनरों द्वारा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 10-भिण्ड के बीएलओ का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में निर्वाचक नामावली को त्रुटि रहित बनाने के निर्देशों के अन्तर्गत बीएलओ की क्षमता विकास हेतु निर्वाचक नामावली तैयार करने संबंधी प्रक्रिया, घर-घर जाकर सर्वे कर निर्वाचक की जानकारी का सत्यापन करना, मृत, स्थानांतरित, दोहरी प्रविष्टि, बीएलओ रोल प्ले, बीएलओ एप्प की जानकारी आदि के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया।

एस डी एम ने किया कैलारस जनपद के मामचौन ग्राम पंचायत का निरीक्षण : पंचायत कार्यालय मिला बंद

कैलारस। कैलारस जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत मामचोन का आज अनुविभागीय अधिकारी सबलगढ़ अरविंद माहोर ने निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान पंचायत कार्यालय भवन बन्द पा गया, ग्रामीणों के अनुसार पंचायत कार्यालय प्रतिदिन नहीं खुलता और सचिव सरपंच भी नहीं आते हैं। सरपंच के द्वारा अवैध तरीके से पत्थर का खनन करके कार्य करवाये जा रहें हैं। एस डी एम अरविंद माहोर ने ग्रामीणों से चर्चा की और उनकी शिकायत समस्याएं सुनी और कार्यवाही करने की बात कही।

एम.जे.एस.शास. स्नातकोत्तर महाविद्याल में किया विश्व जनसंख्या दिवस का आयोजन

भिण्ड ब्यूरो। पर्यावरण नियोजन एवं समन्वयक् संगठन (एप्को) भोपाल (म.प्र.) के आदेशानुसार महाविद्यालय के कक्ष क्रं. 09 में विश्व जनसंख्या दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य, डॉ.आर.ए.शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम की मुख्यवक्ता एवं ईको क्लब की संयोजक डॉ.आरती शर्मा, सहा.प्रा., प्राणीविज्ञान ने विश्व की बढ़ती हुई जनसंख्या पर चिन्ता व्यक्त की तथा जलवायु परिवर्तन एवं वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोत यथा बायोडीजल के उत्पादन पर विस्तृत जानकारी दी। इसके अलावा डॉ.शर्मा द्वारा जनसंख्या वृद्धि को रोकने के उपायों पर विस्तृत विषलेशण पेश किया गया। कार्यक्रम में प्राणीविज्ञान विभाग के डॉ.आर.एन.सिंह ने जीव संख्या के आयामों पर चर्चा कीं। इसी क्रम में राजनीतिविज्ञान के प्रो.विनोद विजौलिया ने जीव संख्या के समाज पर प्रभावों का वर्णन किया। इस मौके पर महाविद्यालय के सभी कक्षाओं के विद्यार्थी उपस्थित रहें।

बेरोजगार युवाओं हेतु सुरक्षा जवान एवं ड्रोन पायलेट भर्ती कैम्प 14 जुलाई को लहार में

भिण्ड ब्यूरो। म.प्र.डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला पंचायत भिण्ड एवं जीडीएक्स ग्रुप- ग्रेटर नोएडा एवं भारत सरकार के पसारा एक्ट अधिनियम 2005 के तहत 30 सुरक्षा जवान एवं 10 ड्रोन पायलेट जवान एवं 10 सुरक्षा सुपरवाईजर भर्ती हेतु शिविर आयोजित किया जा रहा है। दिनांक 14 जुलाई 2025 को जनपद पंचायत लहार, 15 जुलाई 2025 को जनपद पंचायत रौन, 16 जुलाई 2025 को जनपद पंचायत अटेर, 17 जुलाई 2025 को जनपद पंचायत भिण्ड में सुबह 10.30 बजे से सायं 3 बजे तक भर्ती कैम्प आयोजित किया जाएगा। इच्छुक आकांक्षी युवा जिनकी योग्यता 10वीं पास, उम्र- 19 से 45 वर्ष, ऊँचाई 168 सेमी., वजन 52 से 96 किलो एवं सुपरवाईजर हेतु स्नातक के साथ कम्प्यूटर, उम्र 22 से 40 वर्ष, ऊँचाई 170 सेमी. वजन 55 से 96 किलो हो, वे सभी अपनी 10वीं पास अथवा अधिकतम प्रमाण पत्र की छायाप्रति एवं आधार कार्ड की छायाप्रति, दो पासपोर्ट साईज फोटो के साथ स्वयं ब्लाक सभागार में उपस्थित होकर ऑफलाईन आवेदन कर सकते हैं, इस भर्ती शिविर में दूसरे जिले के युवा भी ब्लाक सभागार में स्वयं उपस्थित होकर ऑफलाईन आवेदन कर सकते हैं, अधिक जानकारी के लिए भर्ती अधिकारी के मो.नं.- 9667989993 पर सम्पर्क कर सकते हैं। चयनित युवाओं को जीडीएक्स ग्रुप के ट्रेनिंग सेंटर एन.आई.एम.टी कैंपस नियर परीचौक मेट्रो स्टेशन, एन.आई.एम.टी. कालेज प्रांगण में स्थित सेंटर में 15 दिन के आवासीय प्रशिक्षण उपरान्त प्रशिक्षित प्रमाण पत्र के साथ मध्यप्रदेश के बड़े-बड़े औद्योगिक क्षेत्रों में 15000 से 20,000 तक के मासिक सेलरी के साथ 58 वर्ष तक स्थाई नौकरी के साथ ही पीएफ, पेंशन, जीवन बीमा, फेमिली मेडिकल सुविधा, सालाना वेतन में वृद्धि, लोन की सुविधा, प्रमोशन जैसे अनेकानेक सुविधाओं के साथ ड्यूटी दौरान रहने व खाने की सुविधाएं रियायती दरों पर दी जाएंगी।

बालक सार्थक का हुआ दत्तकग्रहण

भिण्ड ब्यूरो। शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर श्री संजीव कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन एवं प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी परशराम शर्मा के निर्देशन में जिला भिंड अंतर्गत शिशु ग्रह लहार में निवासरत बालक सार्थक के प्री एडॉप्शन दत्तक ग्रहण की कार्रवाई की गई। बाल संरक्षण अधिकारी अजय सक्सेना द्वारा अवगत कराया गया कि बालक सार्थक गोरमी निवासी महिला को देखरेख एवं संरक्षण की अवस्था में मिला था जिसे बाल कल्याण समिति भिंड के आदेश से विशेषज्ञ दतकग्रहण अभिकरण श्री बांके बिहारी कुंज बहुउद्देशीय महिला कल्याण समिति शिशु यह लहार में प्रवेशित कराया गया, दत्तक ग्रहण के अभिशाषी मार्गदर्शी सिद्धांत कारा के दिशा निर्देश अनुसार बालक की राष्ट्रीय स्तर के समाचार पत्र में विज्ञप्ति निकाली गई कि यदि बालक के संबंध में कोई दावा करता हो तो पहले महिला एवं बाल विकास विभाग में संपर्क कर सकते हैं विज्ञप्ति निकालने की एक माह पश्चात तक बालक पर किसी भी प्रकार का दावा प्राप्त न होने पर प्रशासन द्वारा बाल कल्याण समिति से बालक को लीगल फी करने हेतु अनुरोध किया गया, बाल कल्याण समिति द्वारा कारा की निर्धारित समय सीमा को देखते हुए बालक को लीगल फ्री किया गया। इसके पश्चात देवरिया उत्तर प्रदेश निवासी दंपति दवारा बालक सार्थक को तमेमतअम किया गया। बालक को रिजर्व करने के पश्चात जिला स्तरीय दत्तक ग्रहण समिति में उनकी उपयोगिता का परीक्षण किया गया, उपयोगिता पाए जाने पर बालक सार्थक अपने संभावित माता-पिता के साथ प्री एडॉप्शन दत्तक ग्रहण पर गया ।

प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी परशुराम शर्मा के द्वारा अवगत कराया गया कि अभी बालक का अंतिम दत्तक ग्रहण नहीं है एक माह की अवधि के पश्चात बालक और संभावित माता-पिता को बुलाया जाएगा और कलेक्टर महोदय के मार्गदर्शन में अपर जिला दंडाधिकारी के समक्ष बालक की विगत एक माह की प्रगति के संबंध में चर्चा की जाएगी उसके पश्चात अंतिम दत्तक ग्रहण आदेश होगा, बाल संरक्षण अधिकारी अजय सक्सेना के द्वारा अवगत कराया गया कि जिले से यह पहला दत्तक ग्रहण नहीं है अपितु इसके पूर्व भी दर्जनों दत्तक ग्रहण कराए गए हैं इनमें दतक पर न केवल भारत में अपितु अंतरराष्ट्रीय दत्तकग्रहण भी हुए हैं। अवगत कराया गया कि उक्त दमत्ति दवारा कारा पर 04 वर्ष पूर्व पंजीयन कराया गया था अब जाकर उनका नम्बर आया है। बाल सरंक्षण अधिकारी अजय सक्सेना द्वारा अवगत कराया गया कि संपूर्ण भारत में दतकग्रहन कारा की हनपकमसपदम से हि होता है अन्य तरीके सर्वथा गलत है।

भावी माता पिता द्वारा अत्यत खुशी जाहिर करते हुए बताया कि हम सभी के आराध्य शिवजी है और आज सावन का पहला दिन है और सावन के पहले दिन ही हमारी बरसों पूरी मन्नत शिवजी के द्वारा पूरी की गई है इसलिए बच्चे का नाम शिवांश रखेंगे। साथ ही सभी से अपेक्षा की गई कि किसी भी अनचाहे शिशु को झाड़ियां में सुनसान जगह पर अथवा अन्य वीरान स्थान पर न छोड़ें, बाल कल्याण समिति के समक्ष अथवा महिला बाल विकास में बालक को समर्पित कर सकते हैं आपकी समस्त पहचान गोपनीय रखी जाएगी और किसी भी प्रकार की पुलिस कार्रवाई प्रचलित नहीं होगी।

सभी विभाग प्रमुख 12 एवं 13 जुलाई को अपने सभी कार्यालय को खोलकर लंबित, सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का निराकरण कारायेंगे - कलेक्टर

भिण्ड ब्यूरो। कलेक्टर भिण्ड श्री संजीव श्रीवास्तव ने 12 एवं 13 जुलाई का सार्वजनिक अवकाश होने के कारण समस्त विभाग प्रमुखों को निर्देशित कर कहा है कि समस्त विभागों की सीएम हेल्पलाईन शिकायतें लंबित हैं उक्त दोनों दिवसों में सम्बंधित कार्यालय प्रमुख अपने जिला एवं ब्लाक/तहसीलध्परियोजना स्तर के कार्यालय को खोलकर लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का निराकरण कारायेंगे। साथ ही कलेक्टर भिण्ड द्वारा गूगल मीट के माध्यम से प्रातः 10.30 लंबित सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण की समीक्षा (सभी अधिकारी वर्चुअल वीसी में वीडियो कैमरा चालू रखेंगे) की जायेगी तथा सायं 7 बजे निराकरण की गयी शिकायतों की जानकारी ली जायेगी। उपरोक्त दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित हो।

कलेक्टर ने अनुबंधित ऑपरेटर एवं संचालक लोक सेवा केंद्र भिण्ड शहरी को दिया नोटिस

भिण्ड ब्यूरो। कलेक्टर भिण्ड श्री संजीव श्रीवास्तव ने अनुबंधित ऑपरेटर एवं संचालक लोक सेवा केंद्र भिण्ड शहरी श्रीमती नीलम राजपूत को कारण बताओ सुचना पत्र जारी कर दिया है। कलेक्टर श्री श्रीवास्तव ने नोटिस जारी कर कहा है कि दिनांक 11 जुलाई 2025 को विभागीय निर्देशानुसार एवं लोक सेवा केन्द्रों की सतत निगरानी बावत् जिला प्रबंधक, लोक सेवा प्रबंधन विभाग द्वारा एवं कलेक्टर भिण्ड को श्री संदीप, पार्षद भिण्ड नगर पालिका द्वारा प्राप्त शिकायत जिसमें आवेदन में निर्धारित शुल्क से अधिक राशि लिए जाने सम्बन्धी शिकायत प्राप्त हुई थी जिसके क्रम में किये गए औचक निरीक्षण में कई तथ्यध्कमियाँ परिलक्षित हुईं हैं जो लोक सेवा प्रबंधन विभाग के जिला ई-गवर्नेंस सोसाइटी से अनुबंधित आरएफपी की शर्तो का स्पष्ट उल्लंघन है एवं जारी आदेश की अव्हेलना है क्यों ना आपके विरुद्ध शर्तो के उल्लंघन हेतु नियमानुसार दंडात्मक कार्यवाही की जावे आप अपना जवाब 3 दिवस में समक्ष में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें अथवा आपके विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जायेगी जिसके लिए आप स्वयं जिम्मेदार होंगे।

कलेक्टर ने अनुबंधित ऑपरेटर एवं संचालक लोक सेवा केंद्र मेहगांव को दिया नोटिस

भिण्ड ब्यूरो। कलेक्टर भिण्ड श्री संजीव श्रीवास्तव ने अनुबंधित ऑपरेटर एवं संचालक लोक सेवा केंद्र मेहगांव सिद्धगुरु खाद बीज को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर दिया है। कलेक्टर श्री श्रीवास्तव ने नोटिस जारी कर कहा है कि दिनांक 04 जुलाई 2025 को विभागीय निर्देशानुसार अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेहगांव एवं अध्यक्ष लोक सेवा केंद्र निगरानी समिति एवं जिला प्रबंधक, लोक सेवा प्रबंधन विभाग द्वारा किये गए औचक निरीक्षण में कई तथ्यध्कमियाँ परिलक्षित हुईं हैं। साथ ही दिनांक 09 जून 2025 को पत्र के क्रम में 25 दिवस उपरांत भी कलेक्टर भिण्ड के निर्देशानुसार नवीन तहसील परिसर में आपके द्वारा केंद्र संचालन नहीं किया जा रहा है। जो लोक सेवा प्रबंधन विभाग के जिला ई-गवर्नेंस सोसाइटी से अनुबंधित आरएफपी की शर्तो का स्पष्ट उल्लंघन है एवं जारी आदेश की अव्हेलना है क्यों ना आपके विरुद्ध शर्तो के उल्लंघन हेतु नियमानुसार दंडात्मक कार्यवाही की जावे आप अपना जवाब 3 दिवस में समक्ष में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें अथवा आपके विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जायेगी जिसके लिए आप स्वयं जिम्मेदार होंगे।

दास्तां खुशियों की, दिव्यांग देवेन्द्र अब नौकरी देने वाले बन गए हैं

ग्वालियर

कभी खुद के लिये नौकरी तलाशने के लिये मजबूर रहे दिव्यांग युवक देवेन्द्र अब नौकरी देने वाले बन गए हैं। उन्होंने अपने जुनून और जज्बे की बदौलत गारमेंट का स्टार्टअप स्थापित कर लिया है। इस स्टार्टअप से देवेन्द्र 10 जरूरतमंद महिलाओं को रोजगार भी दे रहे हैं। स्टार्टअप खड़ा करने में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) ने उन्हें सहारा दिया है।

उपनगर ग्वालियर में किलागेट के समीप स्थित मंगलेश्वर रोड निवासी देवेन्द्र सिंह राठौर बताते हैं कि बीएससी नर्सिंग की डिग्री हासिल करने के बाद मैंने इस उम्मीद के साथ कम्प्यूटर की पढ़ाई की कि इससे मुझे नौकरी मिल जायेगी। नौकरी के लिये मैंने कई कंपनियों व फर्मों के चक्कर लगाए पर निराशा ही हाथ लगी। बताता कोई नहीं था पर मुझे आभास हो जाता था कि दिव्यांगता की वजह से कंपनियां हमें नौकरी देने में झिझक रहीं हैं। मैंने भी ठान लिया कि अब हम नौकरी नहीं स्वयं का उद्यम खड़ा करेंगे। मेरे पिताश्री ने गदाईपुरा ग्वालियर स्थित औद्योगिक विकास निगम के गारमेंट पार्क में एक प्लॉट खरीद रखा था। पर इस पर उद्यम शुरू करने के लिये पैसों की कमी आड़े आ रही थी। देवेन्द्र कहते हैं कि एक दिन टीवी पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का उदबोधन सुन रहा था। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने उदबोधन में आह्वान करते हुए कहा कि युवा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम का लाभ उठाकर उद्यमी बन सकते हैं। मुझे उम्मीद की किरण नजर आई। मैंने भी पीएमईजीपी के तहत गारमेंट इकाई शुरू करने के लिये उद्योग विभाग के अधिकारियों के सहयोग से सेंट्रल बैंक की मुख्य शाखा में आवेदन कर दिया और हमारी वर्षों पुरानी उम्मीद पूरी हो गई। दिव्यांग देवेन्द्र कहते हैं कि गारमेंट स्टार्टअप स्थापित करने के लिये गत दिसम्बर माह में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत मुझे सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के माध्यम से साढ़े 37 लाख रूपए की आर्थिक सहायता मंजूर हुई, जिसमें 40 प्रतिशत अनुदान राशि शामिल थी। इस धनराशि से मैंने 10 स्टीचिंग मशीनें खरीदीं और गारमेंट पार्क में ध्रुव गारमेंट के नाम से अपना स्टार्टअप शुरू कर दिया। हमारे स्टार्टअप में महिलाओं के लिये चैन-बटन लोअर, शर्ट व अन्य डिजाइनर कपड़े बनते हैं। स्टार्टअप में तैयार कपड़ों के लिये ऑनलाइन व ऑफलाइन बाजार भी हमें मिल गया है। स्टार्टअप के उत्पादों को बाजार मिल जाने से हम काफी उत्साहित हैं। उनका कहना है कि इस स्टार्टअप ने मुझे तो आत्मनिर्भर बनाया ही है, साथ ही 10 जरूरतमंद महिलाओं को भी रोजगार दिया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार जताते हुए देवेन्द्र कहते हैं कि यदि उन्होंने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम नहीं चलाया होता तो हम आज भी नौकरी के लिये दर-दर भटक रहे होते। ग्वालियर में बीते दिनों ग्वालियर में आयोजित हुए समरसता सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने जब सफल स्टार्टअप खड़ा करने के लिये दिव्यांग देवेन्द्र राठौर को सम्मानित कर प्रोत्साहित किया, तब खुशी से गदगद होकर देवेन्द्र बोले कि सरकार हम जैसे जरूरतमंदों की केवल आर्थिक मदद ही नहीं करती, हमारा मान-सम्मान भी बढ़ा रही है।

ग्वालियर जिले में भी 22 जुलाई से 16 सितम्बर तक चलेगा स्टॉप डायरिया सह दस्तक अभियान

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने अभियान को प्रभावी ढंग से मूर्तरूप देने के दिए निर्देश

ग्वालियर। ग्वालियर जिले में भी राज्य शासन के दिशा-निर्देशों के तहत 22 जुलाई से 16 सितम्बर तक स्टॉप डायरिया सह दस्तक अभियान चलाया जायेगा। अभियान के तहत 5 वर्ष तक के बच्चों की सेहत की जाँच की जायेगी। खासतौर पर कुपोषण, एनीमिया, निमोनिया, डिहाईड्रेशन व अन्य संक्रमण की पहचान कर बच्चों का उपचार किया जायेगा। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने अभियान की सभी गतिविधियों को सुव्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से मूर्तरूप देने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अधिकारियों व कर्मचारियों को दिए हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सचिन श्रीवास्तव ने बताया कि स्टॉप डायरिया सह दस्तक अभियान के दौरान 5 वर्ष तक के आयु के बच्चों की चिकित्सीय जांच की जाएगी। अभियान के पहले दिन यानि 22 जुलाई को आंगनवाड़ी केन्द्रों पर दस्तक अभियान की गतिविधियां संचालित की जाएंगी। पहले दिन जो बच्चे किसी कारणवश आंगनवाड़ी केन्द्र पर नहीं आ पायेंगे, दूसरे दिन उनके घर-घर जाकर अभियान के तहत सेवाएं प्रदान की जाएगीं। डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत बच्चों में गंभीर कुपोषण, एनीमिया, निमोनिया, डिहाईड्रेशन संक्रमण की पहचान, त्वरित उपचार और आवश्यकता अनुसार रेफरल सेवाएं प्रदान की जायेंगीं। साथ ही विटामिन ए की दवा पिलायी जाएगी। अभियान के दौरान ओआरएस पैकेट व जिंक टेबलेट का वितरण भी किया जाएगा। टीम द्वारा 5 वर्ष तक के बच्चों की माताओं एवं परिजनों को ओआरएस एवं जिंक टेबलेट के उपयोग को लेकर प्रशिक्षण और समझाइश भी दी जाएगी। अभियान के दौरान बच्चों में कुपोषण सामने आने पर उन्हें पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) में रेफर किया जाएगा। एनीमिया की पहचान के लिए 6 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को डिजिटल हीमोग्लोबीनोमीटर से हीमोग्लोबिन की जांच कर प्रोटोकॉल अनुसार उपचार किया जाएगा।

सार्थक एप पर सभी शिक्षक दर्ज कराएँ अपनी उपस्थिति - कलेक्टर

जिला शिक्षा केन्द्र की नियुक्ति समिति की बैठक में दिए निर्देश

उपस्थिति ऐप, नामांकन अभियान व संविदा सेवा वृद्धि पर हुई चर्चा

ग्वालियर / जिला शिक्षा केन्द्र की जिला नियुक्ति समिति की बैठक शुक्रवार को कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान की अध्यक्षता में जिला पंचायत कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक में कलेक्टर श्रीमती चौहान ने निर्देश दिए कि जिले के समस्त शासकीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक अपनी उपस्थिति %सार्थक ऐप% पर दर्ज कराएँ। उन्होंने कक्षा 1 से 12 तक के पढ़ने योग्य सभी बच्चों का स्कूलों में नामांकन सुनिश्चित करने पर भी बल दिया। नियुक्ति समिति की बैठक में संविदा कर्मियों की सेवा वृद्धि के संबंध में भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में अन्य एजेंडा बिंदुओं पर भी विस्तार से चर्चा हुई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के लिये निर्देशित किया गया। बैठक में जिला पंचायत की उपाध्यक्ष श्रीमती प्रियंका सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विवेक कुमार, डीपीसी जिला शिक्षा केंद्र श्री रविन्द्र सिंह तोमर तथा नियुक्ति समिति के अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत बीएलसी घटक के 124 हितग्राहियों को कराया गृह प्रवेश

ग्वालियर- प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत नगर निगम ग्वालियर द्वारा बीएलसी के 124 हितग्राहियों को गृह प्रवेश बाल भवन में आयोजित कार्यक्रम में कराया गया। इस अवसर पर हितग्राहियों को आवास की चाबी सौंपकर गृह प्रवेश कराया। इंदौर में आयोजित राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम का सीधा प्रसारण बाल भवन के सभागार में किया गया। जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा प्रदेश के नागरिकों को संबोधित किया गया। बाल भवन के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में एमआईसी सदस्य श्री विनोद यादव माठू, उपायुक्त डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव, सहायक सिटी प्लानर श्री महेन्द्र अग्रवाल, नोडल अधिकारी श्री मनीष यादव, भवन अधिकारी श्री पवन शर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं हितग्राही मौजूद रहे। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य श्री विनोद यादव माठू ने प्रधानमंत्री आवास शहरी के बीएलसी घटक 124 हितग्राहियों को गृह प्रवेश कराया और कहा कि गरीबों को अपने आशियाने बनाने के लिए रूपये दिए जा रहे हैं बड़ी खुशी की बात है। अब गरीब भी अपनी छत के नीचे रह सकेगा। प्रधानमंत्री आवास योजना के बीएलसी घटक के अंतर्गत हितग्राहियों को तीन किस्तों में राशि दी जाती है। जिसमें प्रथम किस्त के रूप में 01 लाख रूपये, द्वितीय किस्त के रूम में 01 लाख रूपये एवं तृतीय किस्त के रूप में 50 हजार रूपये की राशि हितग्राहियों के बैंक खाते में भेजी जाती है। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी-1.0 के बीएलसी घटक तहत कुल 2853 आवास स्वीकृत है। जिसमें से 2449 आवासों का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। शेष आवासों का निर्माण कार्य प्रगतिरत है।

कार्यक्रम का संचालन श्री दिलीप शर्मा द्वारा किया गया।

ग्वालियर एवं ग्वालियर पूर्व विधानसभा में आज रहेगा जल प्रदाय प्रभावित

ग्वालियर। जलालपुर 160 एमएलडी से प्रदाय होने वाला जल ग्वालियर एवं ग्वालियर पूर्व विधानसभा में शनिवार दिनांक 12 जुलाई 2025 को प्रभावित रहेगा। जिसमें जल प्रदाय आंशिक रूप से या कम दबाव से किया जाएगा। सहायक यंत्री मोतीझील श्री हेमंत शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि विद्युत विभाग द्वारा 132 केवी सब स्टेशन पर विद्युत शटडाउन होने के कारण 160 एमएलडी डब्ल्यूटीपी बंद रहा। इस कारण दिनांक 12 जुलाई 2025 को 160 एमएलडी जलालपुर से ग्वालियर एवं ग्वालियर पूर्व विधानसभा में होने वाला जल प्रदाय कम मात्रा में एवं कम दबाव से हो सकेगा।

स्वच्छता के कार्य में लापरवाही बरतने पर जोन क्रमांक 21 के सहायक स्वास्थ्य अधिकारी, जोनल हैल्थ ऑफीसर एवं वार्ड हैल्थ ऑफीसर को नोटिस जारी

ग्वालियर - स्वच्छता के कार्य में लापरवाही बरतने पर जोन क्रमांक 21 के सहायक स्वास्थ्य अधिकारी दक्षिण श्री जोगेन्द्र यादव, जोनल हैल्थ ऑफीसर श्री विजय कुमार एवं वाड 55 के वार्ड हैल्थ ऑफीसर श्री आविद खान को नोटिस जारी किया गया है।

उपायुक्त स्वास्थ्य श्री अमर सत्य गुप्ता ने बताया कि नगर निगम कि नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय के निर्देशानुसार सभापति श्री मनोज तोमर के साथ जोन क्रमांक 21 अन्तर्गत वार्ड क्रमांक-55 में स्वच्छता व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान वार्ड क्रमांक-55 में जगह-जगह गन्दगी के ढेर व कचरा फैला हुआ पाया गया। साथ ही मुख्य मार्गों व डिवाइडरो पर अत्यधिक गन्दगी पायी गयी एवं नाली-नालों के मुहाने बंद होने से बरसात के पानी की जल भराव स्थिति भी देखने में आयी है, जिससे यह प्रतीत होता है कि आपका साफ सफाई व्यवस्था में ध्यान नहीं दिया जा रहा है, ना ही वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा निर्देशानुसार कार्य किया जा रहा है, जिसके कारण वार्ड कमांक-55 की सफाई व्यवस्था में सुधार नहीं हो रहा है। अत: सफाई के कार्य में लापरवाही बरतने पर नोटिस जारी किया गया।

निगम की होर्डिंग शाखा की बड़ी कार्रवाई- 200 से अधिक बकायेदार निजी विज्ञापन संचालकों को जारी किये 18 करोड़ से अधिक के नोटिस

ग्वालियर - नगर निगम की होर्डिंग शाखा द्वारा शहर में लगे आउट डोर मीडिया डिवाइस (होर्डिंग) की निरंतर मॉनिटरिंग कर बकायेदारों के खिलाफ बडी कार्यवाही की जा रही है। जिसके तहत होर्डिंग संचालकों को 18 करोड़ 36 लाख रूपये से अधिक बकाया राशि के नोटिस जारी किए गए हैं। नोडल अधिकारी होर्डिंग श्री अनिल चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय के निर्देशानुसार अपर आयुक्त विज्ञापन श्री अनिल दुबे एवं विधि अधिकारी, परीक्षण अधिकारी श्री अनूप लिटोरिया के निर्देशन में शहर में निजी संचालकों द्वारा स्थापित आउटडोर मीडिया डिवाइस की बकायेदारों की जानकारी कॉन्सल्टेंस से मंगवाई गई। जिसमें कुल 385 आउटडोर मीडिया डिवाइस पंजीकृत है। जिसमें से 164 की समय सीमा पूर्ण हो चुकी है। इन पर 15 करोड 65 लाख 98 हजार 602 रुपये बकाया है। इसके साथ ही 221 आउटडोर मीडिया डिवाइस वर्तमान में एक्टिव पाये गए । जिन पर 2 करोड़ 70 लाख 75 हजार 123 रूपये की राशि बकाया है। अत: कुल 18 करोड 36 लाख 73 हजार 726 रूपये बकाया राशि के लगभग 200 से अधिक बकायेदारों को नोटिस संबंधित एजेंसी संचालकों को जारी किए गए है तथा उन्हें हिदायत दी गई है कि शीघ्र निगम कोष में बकाया राशि को जमा करें। अन्यथा उनके खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अन्तर्गत मेरी सम्पति क्षेत्र क्रमांक 22 वार्ड क्रमांक 61 स्थान सिरोल विक्रेता नीरज कुमार शर्मा/स्व. रामस्वरूप शर्मा मनस्वी रियलकॉन प्रा. लि. अमरनाथ रियल स्टेट, एच.जी.इन्फ्राटेक प्रा.लि. धीरज प्रकाश अग्रवाल के नाम से नगर निगम में सम्पति आईडी क्रमांक .... पर दर्ज है जिसका क्षेत्रफल 1320 विक्रय पत्र क्रमांक A11229240 दिनांक 11/10/2024 द्वारा क्रय/उत्तराधिकार से प्राप्त/वसीयतनामा से प्राप्त किया गया है. उक्त सम्पति का मेरे द्वारा मध्य प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1956 के अर्न्तगत धारा 167 के आशयों की पूर्ति सम्पातिकर एवं अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र केन्द्र खुरैरी ग्वालियर पर दिनांक 10/7/2025 को किया गया है. जिसका आवेदन कार्य 87/2015/20985/20723 है उक्त के संबंध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर स्थित सम्पातिकर विभाग कक्ष क्र. 202, 205 में प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति में सुसंलग्न दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी एवं उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

क्रमांक

विज्ञप्ति जारी दिनांक 10-7-2025

आवेदक का नाम-विनय जोशी, राहुल जोशी/मोहन जोशी

एच.जी. निर्वाणा होम्स सिरोल-61

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अन्तर्गत मेरी सम्पति क्षेत्र क्रमांक 22 वार्ड क्रमांक 61 स्थान खुरैरी विक्रेता नीरज कुमार शर्मा/स्व. रामस्वरूप शर्मा एच.जी.इन्फ्राटेक प्रा. लि. धीरज प्रकाश अग्रवाल के नाम से नगर निगम में सम्पति आईडी क्रमांक .... पर दर्ज है जिसका क्षेत्रफल 877 विक्रय पत्र क्रमांक A1198857 दिनांक 22/3/2025 द्वारा क्रय/उत्तराधिकार से प्राप्त/वसीयतनामा से प्राप्त किया गया है. उक्त सम्पति का मेरे द्वारा मध्य प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1956 के अर्न्तगत धारा 167 के आशयों की पूर्ति सम्पातिकर एवं अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र केन्द्र खुरैरी ग्वालियर पर दिनांक 10/7/2025 को किया गया है. जिसका आवेदन कार्य 87/2015/20987/20725 है उक्त के संबंध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर स्थित सम्पातिकर विभाग कक्ष क्र. 202, 205 में प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति में सुसंलग्न दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी एवं उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

क्रमांक

विज्ञप्ति जारी दिनांक 10-7-2025

आवेदक का नाम-विनय राधा सिंह/देवेन्द्र सिंह

देवेन्द्र सिंह/राजेन्द्र सिंह

एमरॉल्ड ग्रीन खुरैरी-61

कांग्रेस नेता अन्नू परमार ने सेवा और संवेदना के साथ मनाया जयवर्धन सिंह का जन्मदिन

वृद्धजनों को कराया भोज, दिव्यांग बच्चों के साथ मिलकर केक काटा, भोजन किया और गीतों के साथ मनाया जश्न

मुरैना,कांस। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह के जन्मदिवस के अवसर पर कांग्रेस नेता एवं जिला पंचायत सदस्य अनुराग परमार अन्नू द्वारा एक प्रेरणादायक, भावनात्मक और सामाजिक सरोकार से जुड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर अन्नू परमार मुरैना के वृद्धाश्रम पहुंचे, जहाँ उन्होंने वहां निवासरत वृद्धजनों को ससम्मान पौष्टिक भोजन कराया। उन्होंने प्रत्येक बुजुर्ग से आत्मीय संवाद कर उनका हालचाल जाना और उनका आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम का दूसरा चरण विशेष रूप से भावुक कर देने वाला रहा, जब अन्नू परमार वृद्धाश्रम में रह रहे दिव्यांग बच्चों के बीच पहुंचे। वहाँ उन्होंने बच्चों के साथ मिलकर केक काटा, उनके साथ भोजन किया और साथ बैठकर गीत भी गाए। बच्चों की मुस्कान और खुशी ने पूरे माहौल को आनंद और स्नेह से भर दिया। इस मौके पर श्री परमार दृष्टि बाधित दिव्यांगों को अपने हाथ से भोजन कराया। अन्नू परमार ने कहा, जयवर्धन सिंह जी जैसे संवेदनशील जननेता का जन्मदिन यदि सेवा और प्रेम के माध्यम से मनाया जाए तो उसका महत्व कई गुना बढ़ जाता है। बुजुर्गों और दिव्यांग बच्चों का साथ पाकर मैं स्वयं को सौभाग्यशाली महसूस कर रहा हूँ। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, समाजसेवी, युवा नेता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने सामूहिक रूप से जयवर्धन सिंह के स्वस्थ, समर्पित और दीर्घ राजनीतिक जीवन की कामना की। कार्यक्रम के अंत में अन्नू परमार ने कहा कि कांग्रेस पार्टी केवल राजनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग के प्रति सेवा, सम्मान और सहयोग की भावना ही इसकी असली पहचान है। भविष्य में भी इस प्रकार के सेवा कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान में भव्य गुरु पूर्णिमा महोत्सव संपन्न

ग्वालियर। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान (डी.जे.जे.एस.), ग्वालियर में आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को भव्य गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया गया। यह आयोजन सनातन परंपरा, गुरुकुल शिक्षा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अद्भुत संगम रहा। संस्थान के संस्थापक एवं संचालक दिव्य गुरु सर्व आशुतोष महाराज के सान्निध्य में संपन्न हुए इस महोत्सव में साध्वी दीपा भारती और साध्वी मदालसा भारती ने गुरु की महिमा, वैदिक ज्ञान और आत्मिक उत्थान पर प्रेरक प्रवचन दिए। उन्होंने बताया कि गुरु पूर्णिमा महर्षि वेदव्यास के अवतरण दिवस के साथ-साथ प्राचीन भारत में छात्रों के प्रवेश और दीक्षांत समारोह का भी दिन था। प्रवचनों के बाद संत समाज ने सुमधुर भजनों से समां बांधा, जिस पर श्रद्धालु झूम उठे। कार्यक्रम का समापन गुरु वंदन और आत्मसमर्पण की सामूहिक प्रतिज्ञा के साथ हुआ। महोत्सव के अंत में विशाल भंडारा प्रसादी का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों भक्तों ने गुरु-कृपा का प्रसाद ग्रहण किया। सेवादारों की विनम्रता और समर्पण ने वातावरण को और भी पवित्र बना दिया। यह आयोजन आध्यात्मिक चेतना के प्रसार और गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व को पुनर्जीवित करने की दिशा में डी.जे.जे.एस. के प्रयासों का एक उत्कृष्ट उदाहरण रहा।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. T_24-25_ETL_ICF_AC_RMPU/Notice दिनांक 10.07.2025

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

कोच एम.एल.आर. कारखाना, झाँसी, उत्तर मध्य रेलवे द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रतिष्ठित एवं अनुभवी ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिये ई निविदायें आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा संख्याः T_24-25_ETL_ICF_AC_RMPU

कार्य का विवरणः सीएमएलआर कारखाना झाँसी में पीओएच के दौरान आरएमपीयू और उनके कंट्रोल पैनल की ओवरहालिंग/मरम्मत के लिए आउटसोर्सिंग।

मात्राः एक कार्य, **निविदा मूल्यः ₹ 48,33,978.92/-,** (रूपये अढ़तालीस लाख तैंतीस हजार नौ सौ अठहत्तर बानवे पैसे मात्र), **कार्य पूर्ण करने की अवधिः** 24 माह, **बयाना राशिः ₹ 96,700/-, निविदा प्रपत्र मूल्यः** 0/-, **1.** निविदा दिनांक **01.08.2025** को **15.00** बजे बंद होगी एवं भारतीय रेलवे की ई-टेण्डर वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। **2.** निविदा की संपूर्ण जानकारी के लिये भारतीय रेलवे की ई-टेण्डर वेबसाइट **www.ireps.gov.in** को देखें। **3.** ठेकेदार टेण्डर प्रपत्र को डाउनलोड करने के लिये एवं टेण्डर सूचना संबंधी किसी भी प्रकार के संशोधन/परिशिष्ट (यदि कोई है) हेतु भारतीय रेलवे की ई-टेण्डरिंग की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखते रहें। इस संबंध में कोई सूचना नहीं दी गयी जायेगी और ना ही किसी भी प्रकार का पत्राचार किया जायेगा। **1211/25 FA**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना संख्याः झाँसी-इन्जी0- सी-2025-117 दिनांकः 10.07.2025

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते हैं।

कार्य का नामः टीआरआर (पी) ऑफ 9.746 टीकिमी. बीना-झाँसी सेक्शन अंडर एडीईएन/ललितपुर सब डिवीजन।

अनुमानित लागत : ₹ 8693426.11	**अमानत राशि** : ₹ 173900.00
निविदा बन्द होने की तिथिः 08/08/2025 at 15:00 hrs.	
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथिः 06 माह	

निविदा दिनांक 08.08.2025 को 15.00 बजे तक आन लाईन जमा कर सकेंगे। पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर देखें। **1214/25(DG)**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

संपादकीय

ऑनलाइन आतंकी नेटवर्क

विभिन्न देशों द्वारा आतंकवादियों को दी जाने वाली प्रत्यक्ष व परोक्ष मदद पर नजर रखने वाली वैश्विक आतंकवाद वित्तपोषण निगरानी संस्था यानी एफएटीएफ की हालिया रिपोर्ट चौंकाने वाली है। एफएटीएफ की रिपोर्ट में यह सनसनीखेज बात उजागर हुई है कि आतंकवादी वित्तीय संसाधन जुटाने व खतरनाक मंसूबों को अंजाम देने के लिये बड़े पैमाने पर ऑनलाइन सेवाओं का दुरुपयोग कर रहे हैं। रिपोर्ट खुलासा करती है कि वर्ष 2019 के पुलवामा आतंकी हमले में विस्फोटक पदार्थ का एक भाग ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से खरीदा गया था। निश्चित रूप से जिस तेजी से आतंक का नेटवर्क ऑनलाइन बाजार का फायदा उठा रहा है, वह कानून की नियामक एजेंसियों के लिये चिंता का विषय होना चाहिए। बताया जा रहा है कि आतंकवादी इंटरनेट के जरिये विस्फोटक बनाने की तरकीब भी सीख रहे हैं। इंटरनेट से बम बनाने की तकनीक सीखने की खबरों के बीच हमारे नीति-नियंताओं को इस पर अंकुश लगाने की दिशा में गंभीर पहल करनी चाहिए। साथ ही ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों पर दबाव बनाना चाहिए कि वे आतंकवादियों के लिए मददगार सामान पर सख्ती से अंकुश लगाएं। इससे पहले एफएटीएफ ने संकेत दिए थे कि पाकिस्तान के सत्ता प्रतिष्ठान आतंकवादियों को न केवल पैसा व हथियार दे रहे हैं बल्कि उन्हें ट्रेनिंग देने में भी मदद की जा रही है। एफएटीएफ की रिपोर्ट में इस बात का भी खुलासा हुआ है कि आतंकी मंसूबों को पूरा करने के लिये आतंकवादी ऑनलाइन सेवाओं के जरिये हथियार, रसायन और थ्री डी-प्रिंटिंग सामग्री भी खरीद रहे हैं। यह विडंबना ही है कि आम नागरिकों के जीवन को सरल-सुविधाजनक बनाने के लिये जिन ऑनलाइन सेवाओं की शुरुआत हुई थी, वह अब आतंकवादियों की मदद का साधन बन गई है। विश्व के आतंकवादी संगठन आधुनिक तकनीक के जरिये न केवल अपने मंसूबों को पूरा कर रहे हैं बल्कि पुलिस व कानून से बचने में इंटरनेट उनका मददगार बन गया है। जिसमें आतंक की पाठशाला चलाने वाली सरकारें भी सहायक बनी हैं।

विगत के कुछ वर्षों में हुए कुछ बड़े हमलों की जांच में प्रमाणिक रूप से इस बात का खुलासा हुआ है कि अब आतंकी हमलों के लिये खतरनाक ढंग से ऑनलाइन सेवाओं का दुरुपयोग किया गया है। यह विडंबना ही है कि अपराधी व आतंकवादी खुफिया एजेंसियों द्वारा अपराध नियंत्रण के लिये चलाये जा रहे अभियानों को धता बताकर अपने खतरनाक मंसूबों को अंजाम देने लगे हैं। जिन ऑनलाइन सेवाओं से उपभोक्ताओं की सुविधाओं को विस्तार दिया जा रहा था, उस व्यवस्था के छिद्रों से अपराधियों ने अपनी सुगम राह तलाश ली है। जिस पर सख्त निगाह रखना सरकारों का प्राथमिक दायित्व बनता है। यदि समय रहते इस दिशा में सख्त कदम न उठाये गए तो यह व्यवस्था आतंकवादियों के खतरनाक अभियानों के लिये सुरक्षित रास्ता बन जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं को उन सरकारों पर भी दबाव डालना चाहिए जो आतंकी संगठनों का वित्तपोषण करते हैं। इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि दुनिया के सभी देश मिलकर इंटरनेट से वे सामग्री हटवाएं जिसका उपयोग आतंकवादी घातक हथियार व बम बनाने में करते हैं। वहीं ऑनलाइन सेवाएं देने वाले प्लेटफॉर्मों पर भी दबाव बनाया जाना चाहिए कि आतंकी हमलों में मददगार सामग्री की डिलीवरी न करें। आज भारत समेत कई शांतिप्रिय देश आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक मुहिम चला रहे हैं, लेकिन इसके साथ ही जरूरी है कि अपनी सुविधा के अनुसार आतंकवाद की परिभाषा तय करने वाले देशों को बेनकाब किया जाए। इस बात का उल्लेख प्रधानमंत्री ने हालिया विदेश यात्रा के दौरान कई अंतर्राष्ट्रीय मंचों से किया। लेकिन पाकिस्तान जैसे कई देश आतंकवाद के विरुद्ध जारी मुहिम को कमजोर करने के प्रयास में जुटे हैं। विडंबना यह है कि पाक खुद को आतंकवाद से पीड़ित दर्शाने का कुत्सित प्रयास कर रहा है। यही वजह है कि गत माह वैश्विक निगरानी संस्था एफएटीएफ ने स्पष्ट किया था कि पहलगाम हमला संस्थागत बगैर वित्तीय मदद के संभव नहीं हो सकता था। निश्चित रूप से एफएटीएफ के इस खुलासे से पाकिस्तान दुनिया के सामने एक बार फिर बेनकाब ही हुआ है। भारत को इस सच को न केवल पूरी दुनिया को बताना चाहिए बल्कि पाक को फिर एफएटीएफ की संदिग्ध सूची में शामिल करवाने का भी प्रयास करना चाहिए।

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण संबंधी चिंताएं

इस साल 24 जून को चुनाव आयोग ने बिहार की मतदाता सूचियों का विशेष गहन संशोधन करने का आदेश दिया, जबकि वहां होने वाले विधानसभा चुनाव में चंद महीने बाकी हैं। ऊपरी तौर से, इसका मंतव्य यह सुनिश्चित करना है कि 'मतदाता सूची में सभी पात्र नागरिक जुड़ें', 'कोई अयोग्य मतदाता न हो' और 'सूची में मतदाताओं को जोड़ने या हटाने की प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता हो।' इस आदेश में गहन संशोधन हेतु विस्तृत प्रक्रिया की रूपरेखा दी गई, लेकिन इसने मतदाता सूची में 2003 से पहले और इसके बाद जुड़े मतदाताओं के बीच एक विवादास्पद अंतर खड़ा कर दिया, उस साल बिहार में आखिरी मर्तबा एसआईआर कार्य हुआ था।

अशोक लवासा

जरूरी नहीं जो कानूनी तौर पर हो, वह हमेशा उचित हो। मतदाता सूचियों का 'शोधन' एक सराहनीय उद्देश्य, एक जायज मांग और कठिन जिम्मेदारी है। भारत के पहले मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) सुकुमार सेन ने मतदाता सूची (ईआर) की गुणवत्ता पर अपनी पूरी तसल्ली होने बाद ही 1951 में प्रथम चुनाव करवाने से पहले, 18 महीने तक काफी दबाव झेला था। वर्तमान मुख्य चुनाव आयुक्त ने भी, जब इस साल की शुरुआत में, मतदाता सूची में कथित हेराफेरी और विसंगतियों की शिकायतों पर प्रतिक्रिया देते हुए 90 दिनों के अंदर सुधारात्मक कदम उठाने का आश्वासन देश को दिया था। लेकिन इस दिशा में उठाए गए एक कदम ने चुनाव आयोग को विवाद के घेरे में ला दिया, जो कि पिछले कुछ समय से इस संस्थान को घेरने वाले कई विवादों में एक है। हालांकि इस मामले में अब सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद स्थिति स्पष्ट होती नजर आ रही है। समय-समय पर चुनाव करवाने वाले काम के विपरीत, मतदाता सूची तैयार करना एक सतत प्रक्रिया है, जिसमें जन-प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 21 (2) और मतदाता पंजीकरण नियमों के नियम 25 के अनुसार प्रत्येक चुनाव से पहले संशोधन किया जाना शामिल है। इस हिसाब से, 2024 में हुए लोकसभा चुनावों से पहले एक राष्ट्रव्यापी संशोधन कार्य किया जाना बनता था।

इस साल 24 जून को चुनाव आयोग ने बिहार की मतदाता सचियों का विशेष गहन संशोधन करने का आदेश दिया, जबकि वहां होने वाले विधानसभा चुनाव में चंद महीने बाकी हैं। ऊपरी तौर से, इसका मंतव्य यह सुनिश्चित करना है कि 'मतदाता सूची में सभी पात्र नागरिक जुड़ें', 'कोई अयोग्य मतदाता न हो' और 'सूची में मतदाताओं को जोड़ने या हटाने की प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता हो।' इस आदेश में गहन संशोधन हेतु विस्तृत प्रक्रिया की रूपरेखा दी गई, लेकिन इसने मतदाता सूची में 2003 से पहले और इसके बाद जुड़े मतदाताओं के बीच एक विवादास्पद अंतर खड़ा कर दिया, उस साल बिहार में आखिरी मर्तबा एसआईआर कार्य हुआ था।

इस आदेश में 2003 के बाद जुड़े मतदाताओं को अपनी नागरिकता सिद्ध करने के लिए, आयोग द्वारा तय दस्तावेज प्रस्तुत करके अपने दावों को सिद्ध करना अनिवार्य था। भले ही मतदाता के रूप में उनका नाम शामिल करते वक्त, 'जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 23 के अनुरूप मतदाता संशोधन अधिकारी उनकी पात्रता की शर्तों की सत्यापना, अपनी तसल्ली होने तक, पहले ही कर चुका हो।' तर्क दिया गया, यह कार्य ईसीआईएनईटी पर शोधित सूची को प्रकाशित करने योग्य बनाएगा। यह घोषणा करने का वक्त और इसे अचानक किए जाने से हो-हल्ला मच गया, खासकर इसलिए कि यह प्रक्रिया उन अन्य राज्यों में नहीं करवाई गई जहां 'शुद्धीकरण' किया जाना इतना ही महत्वपूर्ण था और चुनाव भी तुरंत नहीं होने वाले थे। संदेह की वजह यह समझने में मुश्किल होना रही कि चुनाव आयोग किस चीज़ को आधार बनाकर 2003 तक पंजीकृत हुए लोगों की साक्ष्य-साख का अधिक मोल डाल रहा है। जबकि चनाव आयोग खद कहता है कि प्रवासन, मृत्यु, रोजगार आदि की संभावना दोनों श्रेणी के मतदाताओं पर लागू होती है। तो समझना मुश्किल है कि 2003 से पहले वाली और बाद वाली में अपनाई प्रक्रिया के बीच फर्क क्यों रखा जा रहा है? खासकर जब संक्षिप्त संशोधन या विशेष गहन संशोधन या चालू पंजीकरण के दौरान अपनाई जाने वाली प्रक्रिया एक जैसी है, जिसमें दस्तावेज जमा करवाए जाते हैं और बूथ स्तर का अधिकारी उनकी भौतिक सत्यापना करता है।

24 जून की प्रारंभिक अधिसूचना के अनुसार यह आशंका व्यक्त की गई कि 2003 के बाद पंजीकृत मतदाता यदि कोई संतोषजनक दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत करने में विफल रहते हैं तो उनका नाम मसौदा मतदाता सूची से स्वतः हट जाएगा। चुनाव आयोग के लिए अच्छा रहता यदि आदेश के साथ-साथ एक प्रेस नोट भी जारी करता, यह समझाने के लिए कि 24 जून के आदेश के पैरा 13 से जो अर्थ निकाले जा रहे हैं, वह वैसा नहीं है, जब उसमें कहा गया : 'मसौदा सूची में उन सभी मतदाताओं के नाम शामिल होंगे जो 25 जुलाई, 2025 से पहले-पहले विधिवत भरा हुआ पंजीकरण फॉर्म जमा करवा देंगे। चूंकि यह एक गहन संशोधन है, इसलिए यदि 25 जुलाई, 2025 से पहले पंजीकरण फॉर्म जमा नहीं करवाया जाता, तब मतदाता का नाम मसौदा सूची में शामिल नहीं किया जा सकेगा।'

चुनाव आयोग को तुरंत स्पष्ट करना चाहिए था कि 'विधिवत भरे गए फॉर्म' से यहां आशय 'केवल वही फॉर्म जिनके साथ अपेक्षित दस्तावेज संलग्न हों' नहीं है व बूथ स्तरीय अधिकारी ऐसे पंजीकरण फार्म मसौदा सूची में शामिल न किए जाने की 'अनुशंसा' नहीं करेगा और नतीजन उनका नाम मसौदा मतदाता सूची से बाहर रह जाएगा। ऐसे स्पष्टीकरण से, मसौदा सूची से वोटर्स के नाम हट जाने बारे बनी गलतफहमी दूर होने में मदद मिलती। चूंकि तय किए दस्तावेज पेश करने की करोड़ों लोगों की क्षमता पर संदेह स्वाभाविक है, खासकर तब, जब चुनाव आयोग की स्वीकारोक्ति मुताबिक, यह काम पहले करना चाहिए था। इसका अहसास होने पर आयोग ने 30 जून को स्पष्टीकरण दिया : 'कोई भी व्यक्ति जिसका नाम 2003 की बिहार मतदाता सूची में नहीं है, वह अभी भी अपने माता या पिता के लिए कोई अन्य दस्तावेज प्रदान करने के बजाय 2003 की मतदाता सूची में दर्ज जानकारी का संदर्भ उपयोग कर सकता हैज् इसके लिए, 2003 वाली मतदाता सूची वाला प्रासंगिक विवरण पर्याप्त होगा'। यह किए जाने से उन लोगों का बोझ हल्का हो गया होगा, जिनके लिए इससे पूर्व उक्त दस्तावेज पेश करना जरूरी था व उन्हें पाना कठिन हो सकता था। वास्तविक मतदाताओं द्वारा दस्तावेज़ प्रस्तुत करने में संभावित व्यावहारिक कठिनाइयों के अलावा, जिस बात ने विवाद को और हवा दी, वह है चुनाव आयोग द्वारा जन्मतिथि के आधार पर अंतर करना जैसे 1 जुलाई, 1987 से पहले जन्मे लोगों के लिए अपने जन्म का दस्तावेज़ी सबूत देना अनिवार्य है, और 1 जुलाई, 1987 से 2 दिसंबर, 2004 के बीच पैदा हुए लोगों को 'अपना और पिता या माता में किसी एक का' कोई दस्तावेज़ प्रस्तुत करना है और 2 दिसंबर, 2004 के बाद जन्मे लोगों को 'अपना और पिता और माता, तीनों का' दस्तावेज़ प्रस्तुत करते हुए जन्मतिथि और/या जन्म स्थान सिद्ध करना है।

चनाव आयोग का तर्क है कि यह अंतर विशेष गहन संशोधन की वजह

गाड़ी करे सवाल तो वो क्या जवाब दें

मुकेश राठौर

दिल्ली में पुरानी गाड़ियों को तेल न दिए जाने की खबर जब से चली है गाड़ियों में भयंकर निराशा का माहौल है। होना भी चाहिए। ट्रेन को बिजली, टीवी को सिग्नल, मोबाइल को नेटवर्कज् मिलना यकायक बंद हो जाए, निराशा तो होगी ही। जानदार हो या बेजान बिन 'पानी' सब सून। पूछती है पुरानी गाड़ियां हमारा कसूर ही क्या है? कसूर बस इतना कि पुरानी हो गई। पुरानी चीज एक दिन बुरी लगने लग जाती है। गाड़ी, लाड़ी हो या मां-बाप। पुराने होने का क्या है साहब! कोई चीज पल में पुरानी हो सकती है। कंगना की खनखनाहट में छन-छनाती नूपुर देखते ही देखते स्मृति बनकर रह जाती है। आदमी हो या गाड़ी पुराना पड़ने पर उसका उपयोग कम कर दिया जाता है। उपयोग कम हुआ तो उसका खान-पान भी बंद कर दिया जाता है। खान-पान बंद हुआ तो दौड़-भाग स्वतः बंद हो जाती है। दिल्ली देश की राजधानी है। देशभर के समाजसेवी इधर आते रहते हैं। समाजसेवी कोई पैदल या पब्लिक वाहन से तो चलते नहीं। जितने समाजसेवक उतनी गाड़ियां। चेले-चपाटियों को जोड़ लिया जाए तो यह आंकड़ा कहीं आगे निकल जाता है। यही वजह रही कि इधर ऑड-ईवन फार्मूला लागू किया गया था। वैसे तो भैया जी नई-नई चीजों के शौकीन है लेकिन गाड़ी अब भी पुरानी ही चाहते हैं। उनका मानना है कि यही गाड़ी उन्हें गांव से दिल्ली लेकर आई। सो उसे छोड़ना नहीं चाहते थे, कोई कैटलाइजर या गॉड फादर होता तो कब से छोड़ चुके होते। वे हमेशा दोहराते हैं मर जाएंगे मगर न तो गाड़ी छोड़ेंगे और न दिल्ली। यह बात गाड़ी भी जानती है, मगर वह बेचारी क्या करे क्योंकि वह नए नियमानुसार पुराने के फेर में फंस गई है। तेज रफ्तार और तेल की धार से बहुत जल्दी दूर होने वाली है। इससे पहले कि वह कबाड़ हो जाए एक रात वह भैया जी के सपने में आई, बोलीं, 'सुना है आगे से पुरानी गाड़ियों को तेल नहीं दिया जाएगा?' 'हां,तुमने सही सुना है' भैया जी ने कहा। लेकिन मैं तो तुम्हारे हर सुख-दुख में साथ रही। जब पहली बार टिकट कटा तब भी और दूसरी बार टिकट लेकर लौटे तब भी। चुनाव के समय मेरे पेट में दारू की बोतलें भर कार्यकर्ताओं को बंटवाई, नोटों की गड्डियां रखवाई, परिणाम वाले दिन लाठियां ढुलाई, जीत पर माथा फोड़ खड़े-खड़े रैली घुमाई तब भीज्। गांव से हम साथ चले थे। मेरा रिटायरमेंट दस साल में अफसोस तुम्हारा पचहत्तर साल बाद भी नहीं। एक पुरानेपन के कारण जिस तरह आज मुझे तेल से वंचित किया जा रहा है इसी पुरानेपन के कारण कल को जनता ने तुम्हें वोटों से वंचित कर दिया तो क्या करोगे? भैया जी का सपना टूटा,वे उठ बैठे। गाड़ी के सवाल का उनके पास कोई जवाब नहीं था बल्कि इस एक सवाल से और कई सवाल खड़े हो गए थे।

'एक भारतीय आत्मा' को अभिनव आदरांजलि

विजयदत्त श्रीधर

वे समाज और राष्ट्र सच्चे अर्थों में समुन्नत होते हैं जो अपनी संस्कृति और परंपरा को सगर्व स्वीकारते हैं, और उनका अनुपालन करते हैं। ऐसे समाज अपने महनीय और कृती व्यक्तियों और उनके कृतित्व का स्मरण करते हैं, और उनके स्मारक भी रचते हैं। भारत से विदेश यात्रा पर जाने वाले लोग बहुधा अपने अनुभव सुनाते हुए उल्लेख करते हैं कि किन देशों और स्थानों पर उनके महान साहित्यकारों, कलाकारों, वैज्ञानिकों के सम्मान और स्मृति को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिए किस प्रकार स्मृति चिह्नों को सहेजा गया है। भारत में ऐसी कोई परंपरा नहीं है। भारत के सुदीर्घ और समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास में अनेक विभूतियां हैं। इनमें मूर्धन्य साहित्यकार, शिरोमणि कलाकार, उद्भट विद्वान शिक्षाविद्, वैज्ञानिक सम्मिलित हैं। राष्ट्र की सीमाओं से परे विश्व फलक पर उनकी सर्जना को रेखांकित किया गया है। परंतु उन विभूतियों से संबंधित स्थलों के प्रति प्राय: उपेक्षा और उदासीनता का भाव ही हमारा स्वभाव है। यह जरूर है कि कुछ विभूतियों के नाम पर संस्थान स्थापित हुए हैं। ऐसे परिवेश और सामाजिक पर्यावरण में बीते दिनों भारत के हृदय मध्यप्रदेश में घटित ऐतिहासिक परिघटना ने इस जड़ता को तोड़ा है।

मध्यप्रदेश के नर्मदापुरम? (होशंगाबाद) जिले के बाबई गांव में जन्मे दादा माखनलाल चतुर्वेदी चिंतक, कवि, संपादक, स्वाधीनता आंदोलन के अग्रगण्य हस्ताक्षर रहे हैं। प्रभा और कर्मवीर के संपादक के रूप में उन्होंने राष्ट्र की वाणी को मुखरित किया। जब योद्धा पत्रकार गणेश शंकर विद्यार्थी कारावासी हुए, तब माखनलाल जी ने 'प्रताप' के संपादन का दायित्व संभाला। कवि-लेखक की भूमिका में मानवीय संवेदना और सरोकारों के साथ-साथ स्वाधीनता की चेतना को स्वर दिया। वे गिरफ्तारी देने वाले मध्य प्रांत के पहले सत्याग्रही थे। ऐतिहासिक झण्डा सत्याग्रह के नायक थे। बिलासपुर जेल में 18 फरवरी, 1922 को जिस 'पुष्प की अभिलाषा' की उन्होंने रचना की, वह समूचे देश के लिए आजादी का तराना बन गई थी। ऐसी राष्ट्रीय विभूति की जन्मभूमि बाबई उपेक्षित थी।

सन? 1988-89 दादा माखनलाल चतुर्वेदी का जन्म शताब्दी वर्ष था। इस प्रसंग में माधवराव सप्रे स्मृति समाचारपत्र संग्रहालय, भोपाल ने बाबई में माखनलाल चतुर्वेदी जन्म शताब्दी समारोह का आयोजन किया। साहित्य और पत्रकारिता के शीर्षजनों ने इस मंच से दादा की जन्मस्थली बाबई का नामकरण 'माखननगर' करने की अपील की। 4 अप्रैल, 1988 को माखनलाल जी के सौवें जन्मदिन पर मध्यप्रदेश विधानसभा ने सर्वसम्मति से तदाशय का संकल्प पारित किया। उस समय सदन के नेता मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह, नेता प्रतिपक्ष कैलाश जोशी और विधानसभा अध्यक्ष राजेन्द्रप्रसाद शुक्ल थे। विधानसभा में इन तीनों संवैधानिक हस्तियों की वाणी में मानो मध्यप्रदेश के कोटिश: कण्ठों का कृतज्ञ स्वर मुखरित हुआ था। तथापि प्रक्रिया की भूल-भुलैया में इस संकल्प का साकार होना उलझा रहा। आखिरकार दादा माखनलाल चतुर्वेदी की 134वीं जयंती आते-आते नामकरण की जन-अभिलाषा पूरी होने की घड़ी आ गई।

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, के निरंतर प्रयासों के कारण संकल्प साकार हो सका। एक विशाल जनसभा में हजारों नागरिकों की उपस्थिति में 'बाबई' से 'माखननगर' नामकरण का समारोह मनाया गया। बाबई में जितने भी शासकीय और अर्द्धशासकीय कार्यालय स्थापित थे, उन सभी के नामपट पर 'माखननगर' अंकित किया गया। वैसे बाबई के सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान कई साल पहले से अपने नामपट में माखननगर जोड़ चुके थे। नागरिक अपने पत्र-व्यवहार में और पत्रकार अपने समाचारों के साथ माखननगर नाम का प्रयोग कर रहे थे।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जब 7 दिसंबर, 1933 को बाबई पहुंचे, तब उन्होंने कहा था-'हम सब लोग बात करते हैं, बोलना तो माखनलाल जी ही जानते हैं।

मैं बाबई जैसे छोटे स्थान पर इसलिए आया हूं, क्योंकि यह माखनलाल जी का जन्म स्थान है। जिस भूमि ने माखनलाल जी को जन्म दिया है, उसी भूमि को मैं सम्मान देना चाहता हूं।'

कांग्रेस के अध्यक्ष नेताजी सुभाषचन्द्र बोस ने 17 फरवरी, 1938 को अपने संदेश में कहा था-'पिछले 14 वर्षों से 'कर्मवीर' ने राष्ट्रीय महासभा के झण्डे को ऊंचा रखा है और प्रति ससाह हमारे देशवासियों को प्रेरणात्मक संदेशों से अनुप्रेरित करता रहा है। मेरी यह एकांत आशा और प्रार्थना है कि इस पत्र द्वारा हमारी मातृभूमि की लगातार सेवा होती रहे।' मूर्धन्य साहित्यकार फिराक गोरखपुरी की सम्मति उल्लेखनीय है- 'उनके लेखों को पढ़ते समय ऐसा मालूम होता था कि आदि शक्ति शब्दों के रूप में अवतरित हो रही है या गंगा स्वर्ग से उतर रही हैं। यह शैली हिन्दी में ही नहीं, भारत की दूसरी भाषाओं में भी विरले ही लोगों को नसीब हुई।'

बाबई का माखननगर बनना भारत के संस्कृति-साहित्य-पत्रकारिता इतिहास का अनूठा और अभूतपूर्व अध्याय है। परंतु यह टीस कचोटती है कि भारत में और विशेष रूप से हिन्दी जगत में हर्ष और उल्लास की जैसी प्रतिक्रिया होनी थी, वह नहीं हुई। कदाचित इसकी अनुभूति भी नहीं है। जबकि इस परिघटना से गर्व और गौरव का नया अध्याय रचा जाना चाहिए।

आयरलैंड के इस गेंदबाज ने रच दिया इतिहास, लगातार पांच गेंद में झटके पांच विकेट

लंदन

आयरलैंड के ऑलराउंडर कर्टिस कैंफर ने गुरुवार को इतिहास रच दिया। वह पुरुषों के पेशेवर क्रिकेट में लगातार पांच गेंदों पर पांच विकेट झटकने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। कैंफर ने इंटर-प्रोविंशियल टी20 ट्रॉफी में नॉर्थ-वेस्ट वॉरियर्स के खिलाफ मुंस्टर रेड्स के लिए खेलते हुए यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने 2.3 ओवर में 16 रन देकर पांच विकेट झटके।कैंफर ने अपने दूसरे ओवर की आखिरी दो गेंद और तीसरे ओवर की शुरुआती तीन गेंद पर लगातार पांच विकेट लिए। 189 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए एक वक्त वॉरियर्स का स्कोर 87 रन पर पांच विकेट था। इसके बाद पूरी टीम 88 रन पर सिमट गई। ईएसपीएन के मुताबिक, कैंफर ने पारी के 12वें ओवर की पांचवीं गेंद पर जेरेड विल्सन को क्लीन बोल्ड किया। फिर आखिरी गेंद पर ग्राहम ह्यूम को एल्बीडब्ल्यू आउट किया। अपने अगले ओवर यानी अपने तीसरे और पारी के 14वें ओवर में की पहली गेंद पर कैंफर ने हैट्रिक पूरा किया। उन्होंने एंडी मैकब्राइन का विकेट हासिल किया। कैंफर ने उन्हें डीप मिडविकेट पर कैच कराया। इसके बाद ओवर की दूसरी गेंद पर कैंफर ने रॉबी मिलर को विकेटकीपर के हाथों कैच कराया। फिर तीसरी गेंद पर जोश विल्सन को क्लीन बोल्ड कर लगातार पांच गेंदों में पांच विकेट झटकने की खास उपलब्धि हासिल की।

भारतीय गेंदबाजों से डरे इंग्लिश बल्लेबाज, उप-कप्तान पोप बोले- उनके सामने रन बनाना आसान नहीं

लंदन

भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में पांच मैचों की सीरीज का तीसरा टेस्ट खेला जा रहा है। पहले दिन का खेल खत्म होने तक पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में चार विकेट गंवाकर 251 रन बना लिए हैं। जो रूट 99 रन और बेन स्टोक्स 39 रन बनाकर नाबाद हैं। जैक क्राउली, ओली पोप, बेन डकेट और हैरी ब्रूक वापस पवेलियन लौट चुके हैं। पोप ने भारत के खिलाफ अपनी टीम की रक्षात्मक बल्लेबाजी का बचाव करते हुए कहा कि यह ऐसी पिच नहीं है जिस पर आप आक्रामक होकर खेल सकते हैं।

इंग्लैंड ने पिछले कुछ वर्षों में आक्रामक बल्लेबाजी शैली को अपनाया है, लेकिन गुरुवार को उसने भारतीय गेंदबाजों के सामने रक्षात्मक बल्लेबाजी की और पहले दिन का खेल समाप्त होने तक 250 का आंकड़ा ही छू पाई। पोप ने दिन का खेल खत्म होने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, %यह ऐसी पिच नहीं है जिस पर आप खुलकर खेल सकें। भारतीय गेंदबाजों ने अपनी लेंथ बनाए रखी और रन बनाना मुश्किल कर दिया। उनका इशारा भारतीय गेंदबाजों की कसी हुई गेंदबाजी की ओर था, जिसे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह (35 रन देकर एक विकेट) की वापसी से मजबूती मिली है। नीतीश कुमार रेड्डी ने 46 रन देकर दो विकेट लिए हैं और वह पहले दिन भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे। तेज गेंदबाज आकाश दीप और मोहम्मद सिराज को पहले दिन विकेट नहीं मिला, लेकिन उन्होंने किफायती गेंदबाजी की। पोप ने रवींद्र जडेजा की गेंद पर आउट होने से पहले 104 गेंदों में 44 रन की पारी खेली। उन्होंने कहा, %जरूरी नहीं कि हम जिस तरह से पहली पारी में बल्लेबाजी करते रहे हैं, वैसे ही करें। हमें परिस्थितियों के अनुसार खेलना होगा।

कुमार मंगलम बिड़ला को मिली अहम जिम्मेदारी, भारत-अमेरिका के बीच रणनीतिक साझेदारी को देंगे नई दिशा

नई दिल्ली। आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला को अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) के निदेशक मंडल में नियुक्त किया गया है। यूएसआईएसपीएफ ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कुमार बोर्ड की कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में भी काम करेंगे। बिड़ला ने कहा कि यूएसआईएसपीएफ की कार्यकारी समिति में शामिल होना मेरे लिए सम्मान की बात है। बहुत कम समय में ही यूएसआईएसपीएफ अमेरिका और भारत के बीच रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को आकार देने और मजबूत करने में इसकी बड़ी भूमिका है। दोनों देशों के बीच संवाद, सहयोग और विश्वास को बढ़ावा देने में इसके काम ने एक सार्थक बदलाव लाया है। आदित्य बिड़ला समूह अमेरिका में सबसे बड़ा भारतीय ग्रीनफील्ड निवेशक है। इसका निवेश 15 अरब डॉलर से अधिक है। साथ ही धातु, कार्बन ब्लैक और रसायनों के क्षेत्र में 15 राज्यों में इसका परिचालन फैला हुआ है। इसकी अमेरिकी सहायक कंपनी नोवेलिस दुनिया की सबसे बड़ी एल्युमीनियम रीसाइक्लिंग कंपनी है। यह अमेरिकी विनिर्माण क्षेत्र को पुनर्जीवित करने और आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। समूह की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है बे मिनेट। इसका अलबामा में 4.1 अरब डॉलर का निवेश है , जो चार दशकों में अमेरिका में पहला पूरी तरह से एकीकृत एल्युमीनियम रोलिंग और रीसाइक्लिंग प्लांट स्थापित करेगा। यह अलबामा के इतिहास में सबसे बड़ा औद्योगिक निवेश होगा। यूएसआईएसपीएफ के अध्यक्ष और जेसी2 वेंचर्स के संस्थापक और सीईओ जॉन चैम्बर्स ने कहा कि बिरला के कार्यकारी समिति में शामिल होने से यूएसआईएसपीएफ को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में मदद मिलेगी।

यूएसआईएसपीएफ एक गैर-लाभकारी, गैर-सरकारी और गैर-पक्षपाती संगठन है। इसके कार्यालय वाशिंगटन, डीसी और नई दिल्ली में हैं। यूएसआईएसपीएफ के सदस्यों में 10 ट्रिलियन डॉलर से अधिक संयुक्त बाजार मूल्यांकन और 6 मिलियन से अधिक कर्मचारियों वाली वैश्विक कंपनियां शामिल हैं।

एचयूएल में नई लीडरशिप का दिखा असर, प्रिया नायर की नियुक्ति के बाद शेयरों में पांच प्रतिशत का उछाल

नई दिल्ली

हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) के शेयरों में शुक्रवार को पांच प्रतिशत की तेजी आई। यह उछाल कंपनी की नई सीईओ की नियुक्ति के बाद देखा गया। भारत की सबसे बड़ी एफएमसीजी फर्म ने गुरुवार को घोषणा की प्रिया नायर 1 अगस्त, 2025 से कंपनी की पहली महिला सीईओ और प्रबंध निदेशक बनेंगी। इसके बाद बीएसई पर शेयर 5 प्रतिशत उछलकर 2,529.85 रुपये पर पहुंच गया। वहीं एनएसई में कंपनी के शेयर 5 प्रतिशत बढ़कर 2,529.90 रुपये पर पहुंच गए।

प्रिया ने लिया रोहित जावा का स्थान

प्रिया नायर वर्तमान में यूनिलीवर के सौंदर्य एवं कल्याण विभाग की अध्यक्ष हैं। प्रिया को पांच वर्ष की अवधि के लिए नियुक्त किया गया है। एफएमसीजी प्रमुख ने एक बयान में कहा कि वह रोहित जावा का स्थान लेंगी। रोहित 31 जुलाई, 2025 को सीईओ और एमडी के पद से हटकर अपनी व्यक्तिगत और पेशेवर यात्रा के अगले अध्याय को आगे बढ़ाएंगे। जावा ने 2023 में एचयूएल के सीईओ और एमडी का पदभार संभाला।

फॉक्सकॉन से चीनी विशेषज्ञों के लौटने से नहीं रुकेगा आईफोन उत्पादन, दावा- कंपनी के पास बैकअप प्लान तैयार

नई दिल्ली

भारत में आईफोन बनाने वाली ताइवनी कंपनी फॉक्सकॉन के कई चीनी तकनीकि विशेषज्ञ हाल ही में वापस चीन लौट गए हैं। सूत्रों ने बताया कि इस बीच केंद्र सरकार फॉक्सकॉन के उत्पादन लक्ष्यों पर नजर रख रही है। एपल के पास इस समस्या से निपटने के लिए विकल्प हैं। यह मामला एपल और फॉक्सकॉन के बीच का है और कंपनियां अपने स्तर पर समाधान निकाल रही हैं। फॉक्सकॉन उन अग्रणी कंपनियों में से एक है जिसे सरकार की ओर से उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) के तहत चुना गया है।

बताया जा रहा है कि ये चीनी पेशेवर फॉक्सकॉन की उत्पादन प्रक्रिया, असेंबली लाइन, संयंत्र डिजाइन और मशीनों को संचालित करने के लिए भारतीय कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने जैसे अहम कार्यों में लगे हुए थे। इनकी वापसी से आगामी आईफोन 17 सीरीज के उत्पादन पर असर पड़ने की अटकलें लगाई जा रही थीं। मोबाइल फोन के निर्माण में प्रयुक्त होने वाले अधिकांश उपकरण चीन से आते हैं और चीनी प्रौद्योगिकी पेशेवरों को इनके संचालन में विशेषज्ञता प्राप्त है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार ने चीनी कर्मचारियों के लिए वीजा की सुविधा प्रदान की है। लेकिन अब कंपनियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उत्पादन में कोई बाधा न आए।

भारत में आईफोन के उत्पादन से जुड़े उद्योग सूत्रों ने कहा है कि चीनी प्रौद्योगिकी पेशेवरों की वापसी से आईफोन 17 के उत्पादन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा और कंपनी भारत में उत्पादन बढ़ाने के लिए भी लगातार काम कर रही है। एप्पल ने इस साल भारत में आईफोन उत्पादन को 35 से 40 मिलियन यूनिट से बढ़ाकर 60 मिलियन यूनिट तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। एपल के सीईओ टिम कुक ने हाल में घोषणा की थी कि जून तिमाही में अमेरिका में बेचे जाने वाले सभी आईफोन भारत से शिप किए गए।

बलूचिस्तान में बंदूकधारियों ने बस को बनाया निशाना, पहचान पत्र देखकर नौ यात्रियों को मौत के घाट उतारा

झोब

पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान में बंदूकधारियों ने बस को निशाना बनाया। झोब के सुर-दकाई इलाके में उग्रवादियों ने लाहौर जा रही बस में सवार नौ यात्रियों की हत्या कर दी। बंदूकधारियों ने हाईवे पर बस को रुकवाया। इसके बाद यात्रियों के पहचान पत्र देखकर उनको बस से नीचे उतारा और फिर गोली मार दी। अब तक किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।झोब के सहायक आयुक्त नवीद आलम ने बताया कि झोब के सुर-दकाई इलाके में राजमार्ग पर क्वेटा से लाहौर जा रही दो बसों को बंदूकधारियों ने रोक लिया। इसके बाद उन्होंने बस में चढ़कर यात्रियों के पहचान पत्र देखे। इसमें जिन यात्रियों के पास पंजाब प्रांत के पहचान पत्र थे, उन नौ यात्रियों को बस से उतारा और गोली मार दी। उन्होंने कहा कि हमने नौ शवों को पोस्टमार्टम और दफनाने की प्रक्रिया के लिए अस्पताल भेज दिया है।प्रतिबंधित संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली है। सुरक्षा बलों ने राजमार्ग पर यातायात स्थगित कर दिया तथा अपराधियों का पता लगाने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू कर दिया। यह पहली बार नहीं है कि उग्रवादियों ने पंजाब प्रांत के लोगों और बलूचिस्तान के विभिन्न राजमार्गों पर चलने वाली यात्री बसों को निशाना बनाया है।

बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने कहा कि पहचान के आधार पर निर्दोष लोगों की हत्या अक्षम्य अपराध है। उग्रवादियों ने साबित कर दिया है कि वे इंसान नहीं, बल्कि कायर जानवर हैं। बलूचिस्तान की धरती पर निर्दोषों का खून व्यर्थ नहीं जाएगा। राज्य इन हत्यारों को जमीन के नीचे भी छिपने नहीं देगा। गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने घटना की निंदा की और कहा कि जाएंगे। रुइदोसो को और भी ज्यादा कर्मचारियों की जरूरत होगी।

उन्होंने कहा कि हम इस विनाशकारी बाढ़ से पूरी तरह से उबरने में इस समुदाय की मदद करने के लिए आवश्यक प्रत्येक डॉलर और संसाधन के लिए संघीय सरकार के साथ काम करना जारी रखेंगे। उन्होंने बाढ़ के चलते मारे गए 4 साल की बच्ची और 7 साल के लड़के के माता-पिता के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

उन्होंने कहा कि ऐसे कोई शब्द नहीं हैं जो उस तबाही को बयां कर सकें। हम सचमुच बहुत दुखी हैं। कांग्रेस सदस्य मेलानी स्टैंसबरी ने कहा कि बारिश होने के संकेत हैं।

ट्रंप के 35 फीसदी टैरिफ के एलान पर PM कार्नी का पलटवार, कहा- अपने व्यवसायों की रक्षा करते रहेंगे

ओटावा

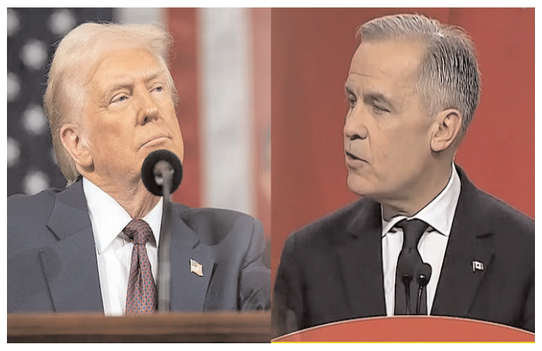

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कनाडा से आने वाले सामानों पर 35त्न टैरिफ लगाए जाने पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार अपने व्यापार और व्यवसायों की मजबूती से रक्षा करती रहेगी।

प्रधानमंत्री कार्नी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पर लिखा कि कनाडा ने उत्तर अमेरिका में फेंटानिल की समस्या को रोकने की दिशा में अहम प्रगति की है और वह अमेरिका के साथ मिलकर दोनों देशों के लोगों की जान बचाने और समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने एक्स पर लिखा कि अमेरिका के साथ चल रही व्यापार वार्ताओं के दौरान कनाडाई सरकार ने अपने श्रमिकों और व्यवसायों के हितों की दृढ़ता से रक्षा करती रहेगी। हम 1 अगस्त की संशोधित समयसीमा तक इस दिशा में अपने प्रयास जारी रखेंगे। कनाडा ने उत्तर अमेरिका में फैले फेंटेनाइल जैसे घातक नशे के संकट को रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। हम अमेरिका के साथ मिलकर जीवन बचाने और दोनों देशों के समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

उन्होंने कहा, हम एक सशक्त कनाडा का निर्माण कर रहे हैं। केंद्र सरकार, प्रांतों और क्षेत्रों के साथ मिलकर एक एकीकृत कनाडाई अर्थव्यवस्था के निर्माण में महत्वपूर्ण प्रगति कर रही है। हम राष्ट्रीय हित में कई बड़े नए प्रोजेक्ट्स शुरू करने के लिए तैयार हैं। साथ ही, हम दुनियाभर में अपने व्यापारिक साझेदारियों को भी लगातार मजबूत कर रहे हैं। इससे पहले गुरुवार (10 जुलाई) को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी को एक पत्र लिखकर नई टैरिफ दरों की जानकारी दी थी। ट्रंप ने घोषणा की है कि 1 अगस्त से कनाडा से होने वाले सभी आयातों पर 35 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा। उन्होंने इसे कनाडा की ओर से फेंटेनाइल ड्रग की सप्लाई कम करने में नाकामी का नतीजा बताया है।

ट्रंप ने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के नाम लिखे पत्र में कहा कि अगर कनाडा जवाबी कार्रवाई करता है, तो टैरिफ में और वृद्धि हो सकती है। पत्र को उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी साझा किया है। हालांकि, बातचीत की गुंजाइश रखते हुए उन्होंने कहा कि अगर कनाडा फेंटानिल की तस्करी रोकने में मदद करता है, तो शायद हम इस पत्र में बदलाव पर विचार कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि दोनों देशों के रिश्तों के आधार पर टैरिफ को बढ़ाया या घटाया जा सकता है।

न्यू मैक्सिको में बाढ़ ने मचाई भारी तबाही, रियो रुइदोसो नदी उफान पर; 200 से ज्यादा घर क्षतिग्रस्त

रुइदोसो

न्यू मैक्सिको में बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। यहां रियो रुइदोसो नदी उफान पर आ गई है। बाढ़ के चलते 200 से ज्यादा घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। सर्वे टीमों ने चेतावनी दी है कि क्षतिग्रस्त हुए घरों की संख्या बढ़ सकती है। रुइदोसो के पहाड़ी गांवों में सर्वे का काम जारी है। रुइदोसो में मंगलवार दोपहर को हुई तेज बारिश के बाद नदी उफान पर आ गई। इसके बाद आसपास के पहाड़ों से पानी का बहाव तेज हो गया। पहाड़ी गांवों में बाढ़ आ गई। इस दौरान नदी किनारे एक आरवी पार्क में बैठा एक व्यक्ति और उसके दो बच्चे तेज बहाव में बह गए। उनके शव नीचे की ओर मिले। व्यक्ति का अभी भी पता नहीं चल पाया है।बाढ़ के बाद गवर्नर मिशेल लुजान ग्रिशम ने रुइदोसो और आसपास के क्षेत्र का हवाई दौरा किया। गर्वनर ने कहा कि राज्य को संघीय आपातकाल की घोषणा के लिए आंशिक मंजूरी मिल गई है। इससे खोज और बचाव कार्यों तथा घटना प्रबंधन में मदद के लिए कर्मचारी मुक्त हो

अमेरिकी हमले में भी बच गया ईरान का परमाणु कार्यक्रम, इस्राइली अधिकारी का चौंकाने वाला दावा

तेल अवीव

इस्राइल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दावा किया है कि बीते महीने अमेरिका द्वारा किए गए हमले के बावजूद ईरान का परमाणु कार्यक्रम बच गया और ईरान अभी भी यूरेनियम संवर्धन की क्षमता हासिल कर सकता है। अमेरिका के बंकर बस्टर बम बनाने वाली एजेंसी ने भी कहा है कि वे इस बात की समीक्षा कर रहे हैं कि बंकर बस्टर बम अपने लक्ष्य तक पहुंचे या नहीं। गौरतलब है कि इस्राइली अधिकारी का यह दावा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे के विपरीत है, जिसमें ट्रंप ने कहा था कि अमेरिकी हमले में ईरान के परमाणु ठिकाने तबाह हो गए हैं और ईरान को यूरेनियम संवर्धन की क्षमता हासिल करने में अब कई साल लगेंगे। अमेरिकी रक्षा खुफिया एजेंसी ने भी एक प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा कि हमलों ने फोर्डो, नतांज और इस्फहान स्थलों को काफी नुकसान पहुंचाया, लेकिन वे पूरी तरह से नष्ट नहीं हुए हैं। वरिष्ठ इस्राइली अधिकारी ने कहा कि ऐसा माना जा रहा है कि ईरान का अधिकांश संवर्धित यूरेनियम इस्फहान परमाणु ठिकाने में गहराई से दबा हुआ है। अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर पत्रकारों से बात की और अपने आकलन साझा किए, लेकिन अभी तक इसे सार्वजनिक नहीं किया गया है।

अमेरिकी विदेश विभाग में छंटनी की तैयारी, जल्द जारी होंगे कर्मचारियों को नोटिस

वॉशिंगटन

अमेरिका का विदेश विभाग भी छंटनी की तैयारी कर रहा है। विदेश विभाग ने अपने कर्मचारियों को कहा है कि वे जल्द ही छंटनी के लिए नोटिस जारी करेंगे। डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आने के बाद से ही वे संघीय सरकार के आकार को कम करने में जुटे हैं। इसके तहत कई सरकारी विभागों से छंटनी की गई हैं। सरकारी दक्षता विभाग के नेतृत्व में संघीय सरकार में छंटनी अभियान चलाया गया और सैंकड़ों लोगों को अब तक नौकरी से निकाला जा चुका है।

अमेरिका में संघीय सरकार में छंटनी को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती भी दी गई थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने भी छंटनी जारी रखने के पक्ष में फैसला दिया था। अमेरिकी विदेश विभाग के उप-सचिव माइकल रिग्स ने कहा कि जिन कर्मचारियों की छंटनी की जाएगी, उन्हें जल्द ही इसकी सूचना दे दी जाएगी। अभी तक ये साफ नहीं है कि विदेश विभाग से कितने लोगों को नौकरी से हटाया जाएगा। विदेश विभाग ने मई में कांग्रेस को छंटनी और पुनर्गठन की जानकारी दे दी थी। विदेश विभाग ने ये भी कहा कि जो कार्यक्रम पूर्व की सरकार द्वारा चलाए जा रहे थे, उनमें कटौती की जाएगी।

कुएं में गिरी गाय को पार्षद ने युवाओं की मदद से रेस्क्यू कर बाहर निकाला

शिवपुरी ब्यूरो। झींगुरा क्षेत्र में गुरूवार रात को एक गाय बारिश से बचने के चलते कुएं में जा गिरी जिसकी सूचना आसपास के लोगों को लगी तो वार्ड पार्षद ने युवाओं की मदद से रेस्क्यू कर गाय को सुरक्षित बाहर निकाला। घटना की जानकारी मिलते ही वार्ड पार्षद एमडी गुर्जर मौके पर पहुंचे और स्थानीय युवाओं की मदद से रेस्क्यू कर गाय को सुरक्षित बाहर निकाला गया। वार्ड पार्षद एमडी गुर्जर ने बताया कि झींगुरा क्षेत्र के युवाओं ने रात के समय उन्हें फोन पर सूचना दी थी कि एक गाय कुएं में गिर गई है। बारिश का पानी ज्यादा होने से गाय घबराकर भाग रही थी और तभी वह असंतुलित होकर खुले कुएं में गिर गई। सूचना मिलते ही पार्षद गुर्जर कुछ युवाओं के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने तत्काल रेस्क्यू शुरू कराया। दो युवकों को रस्सी के सहारे कुएं में उतारा गया और गाय को रस्सी से बांधकर ऊपर खींचा गया। थोड़ी मेहनत और सावधानी के बाद गाय को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

जिला संयोजक राजेन्द्र कुमार को दी गई भावभीनी विदाई, सहायक आयुक्त पद पर हुए पदोन्नत

शिवपुरी ब्यूरो। जनजाति कार्य विभाग शिवपुरी में जिला संयोजक के पद पर कार्यरत रहे राजेन्द्र कुमार जाटव के सहायक आयुक्त पद पर पदोन्नत होकर जिला डिंडोरी स्थानांतरण के उपलक्ष्य में होटल स्टार गोल्ड पैलेस में भव्य विदाई एवं सम्मान समारोह का आयोजन विभाग के स्टाफ द्वारा किया गया। इस अवसर पर विभाग के समस्त कार्यालय स्टाफ, छात्रावास एवं आश्रम अधीक्षक, शिक्षण स्टाफ तथा अधिकारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अपर कलेक्टर दिनेश चंद्र शुक्ला रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डिप्टी कलेक्टर बृजेन्द्र यादव मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान राजेन्द्र कुमार जाटव के साथ लंबे समय तक कार्य कर चुके कार्यालय स्टाफ की आंखें भावुक हो उठीं। उनके सादगीपूर्ण व्यवहार, अनुशासनप्रियता और कर्मचारियों के प्रति अपनत्व के चलते हर कोई उनसे भावनात्मक रूप से जुड़ा रहा। कर्मचारियों ने विदाई के समय कहा कि उनके जैसा नेतृत्व दुर्लभ होता है। अपर कलेक्टर दिनेश चंद्र शुक्ला ने कहा, राजेन्द्र कुमार जाटव जैसे कर्मठ और अनुशासित अधिकारी किसी भी विभाग की पूंजी होते हैं। उन्होंने विभाग में अनुशासन, पारदर्शिता और जनजातीय छात्रों के हित में उल्लेखनीय योगदान दिया है। डिप्टी कलेक्टर बृजेन्द्र यादव ने कहा, राजेन्द्र जाटव ने जिस कठिन समय में विभाग की जिम्मेदारी संभाली, वह अत्यंत सराहनीय था। उनकी प्रशासनिक दक्षता और सरल स्वभाव ने सभी को प्रभावित किया। अपने विदाई उद्बोधन में सहायक आयुक्त राजेन्द्र कुमार जाटव ने कहा, शिवपुरी की यह यात्रा मेरे लिए एक परिवार जैसा अनुभव रही। यहां के साथियों ने जिस प्रकार सहयोग और स्नेह दिया, वह मेरे हृदय में सदा अंकित रहेगा। मैं डिंडोरी में नई जिम्मेदारी के साथ भी वही समर्पण और प्रतिबद्धता लेकर कार्य करूंगा। कार्यक्रम के अंत में सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और शिक्षकों ने राजेन्द्र कुमार जाटव को शुभकामनाएं देते हुए उनके

उज्ज्वल भविष्य की कामना की और भावभीनी विदाई दी। सफल विदाई समारोह कार्यक्रम की जिम्मेदार छात्रावास अधीक्षक आरसी दिवाकर और बृजेश जाटव द्वारा संभाली गई। समारोह में प्रभारी जिला संयोजक आर.के. सिंह, रेंजर गोपाल सिंह जाटव, कन्या शिक्षा परिसर के प्राचार्य एसपी भार्गव और राजेन्द्र कुमार जाटव के परिवारजन भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन गफ्फार मोहम्मद खान ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन आर.सी. दिवाकर अधीक्षक उत्कृष्ट छात्रावास शिवपुरी ने किया।

शिवपुरी में उनका कार्यकाल रहा सफल

राजेन्द्र कुमार जाटव ने उस समय जिला संयोजक का दायित्व संभाला जब विभाग लंबे समय से नेतृत्वविहीन था और व्यवस्थाएं अव्यवस्थित थीं। उन्होंने कुशल नेतृत्व, ईमानदारी और सतत प्रयासों से न केवल विभागीय संरचना को व्यवस्थित किया, बल्कि छात्रावासों की दशा में भी परिवर्तन किया। कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी के मार्गदर्शन में जनजातीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सक्रिय भूमिका निभाई। छात्रावासों में अनुशासन, भोजन व्यवस्था, स्वच्छता और शिक्षण गतिविधियों में सुधार उनके प्रयासों की अमिट छाप है।

लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कठिन परिश्रम की आवश्यकता होती है : चतुर्वेदी

सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय में गुरु पूर्णिमा पर आयोजित किया गया आचार्य सम्मान समारोह

शिवपुरी ब्यूरो। सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय में आज गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर आचार्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें पावन सानिध्य महंत श्री श्री 108 पवनदास महाराज गोरखनाथ जुगल किशोर मंदिर राऊ की बगिया शिवपुरी, मुख्य अतिथि सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान मध्यप्रदेश भोपाल के सम्माननीय सदस्य एवं जिला प्रतिनिधि कुंजबिहारी चतुर्वेदी, विशिष्ट अतिथि सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय के प्रबंधक पवन शर्मा, प्राचार्य लोकेंद्र सिंह मेवाड़ा की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर कुंज बिहारी चतुर्वेदी का पाथेय प्राप्त हुआ उन्होंने कहा कि गुरु का हमारे जीवन में विशेष महत्व है जो हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है तथा गुरु एक साधना है जिसके लिए कठिन परिश्रम करके ही लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है जिसके लिए अहर्निश परिश्रम की आवश्यकता होती है। कार्यक्रम की भूमिका रखते हुए प्राचार्य श्री मेवाड़ा ने अपने विचार रखते हुए छात्रों को गुरु- शिष्य परंपरा से अवगत कराते हुए भैयाओं का मार्ग प्रशस्त करते हुए गुरु पूर्णिमा पर गुरु के महत्व को विज्ञान एवं अध्यात्म से जोड़ते हुए अपने विचार अभिव्यक्त किए। इस दौरान छात्रों ने भी अपने विचार अभिव्यक्त किए। इस अवसर पर कक्षा द्वादशी के छात्रों के द्वारा सभी आचार्यों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर सरस्वती वंदना से किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय के आचार्य उदयवीर गौड़ द्वारा किया गया। मंचस्थ अतिथियों का परिचय नंदकिशोर शर्मा द्वारा कराया गया। कार्यक्रम का समापन कल्याण मंत्र के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त छात्र एवं आचार्य-दीदी उपस्थित रहे।

ब्रह्माकुमारी केंद्र द्वारा गुरु पूर्णिमा का किया आयोजन

(चम्बल सुरिव संवाददाता)

विजयपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, विजयपुर में गुरु पूर्णिमा पर आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। केंद्र प्रभारी शशि बहन के मार्गदर्शन में श्रद्धालु भक्तों ने शिवलिंग को सतगुरु के रूप में पूजा-अर्चना की. शशि बहन ने गुरु पूर्णिमा के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला।

स्कूल में हुई चोरी का खुलासा करने पर शिक्षकों ने किया एसडीओपी, टीआई सहित पुलिस टीम का सम्मान

शिवपुरी ब्यूरो। पिछोर एसडीओपी कार्यालय में माध्यमिक विद्यालय जराय के शिक्षकों द्वारा एसडीओपी पिछोर प्रशांत शर्मा, थाना प्रभारी पिछोर जितेंद्र मावई एवं पिछोर पुलिस टीम के अन्य सदस्यों का फूल माला पहनकर एवं मिठाई खिलाकर सम्मान किया। दरअसल 3-4 जुलाई की मध्य रात्रि में ग्राम जराय के सरकारी स्कूल में से अज्ञात चोरों द्वारा स्कूल का सामान चुरा लिया था जिसमें एक बड़ी एलइडी टीवी, 10 कुर्सियां और एक सीलिंग फैन शामिल था। अगले दिन ही शिक्षकों ने थाना पिछोर में आकर उक्त चोरी की रिपोर्ट की। पिछोर पुलिस ने मामला कायम कर अज्ञात चोरों की तलाशी शुरू की और एफआईआर दर्ज होने के मात्र 48 घंटे के अंदर पुलिस द्वारा दो चोरों को गिरफ्तार करके उनके कब्जे से स्कूल से चोरी हुआ पूरा सामान बरामद कर लिया था।

पुलिस की इसी सफलता पर आज ग्राम जराय के सभी शिक्षक साथी एकत्रित होकर एसडीओपी कार्यालय पिछोर पहुंचे और समस्त टीम को तत्परता से कार्रवाई करने पर सम्मानित किया और उनका आभार व्यक्त किया।

बाइक की पंचर जुड़वाने जा रहे दो सगे भाईयों को तेज रफ्तार कार ने मारी जोरदार टक्कर, दोनों गंभीर रूप से घायल

शिवपुरी ब्यूरो। कमलागंज क्षेत्र की थीम रोड पर पंचर जुड़वाने निकले दो सगे भाइयों को तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार दोनों भाइयों को बाइक समेत कई मीटर तक घसीटती चली गई। हादसे में दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घटना के तुरंत बाद आसपास के लोगों ने घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां दोनों का इलाज जारी है। घायलों की पहचान आयान खान उम्र 15 वर्ष और अभिषेक खान उम्र 13 वर्ष पुत्र कयूम खान, निवासी कमलागंज, शिवपुरी के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा इतना भयानक था कि तेज रफ्तार कार ने सामने से आकर बाइक को सीधे टक्कर मारी और उसे कई मीटर तक घसीटते हुए ले गई। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि चालक वाहन की स्पीड पर नियंत्रण नहीं रख सका, जिससे यह टक्कर हुई। हादसे की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई थी।

60 भैंसों को हांक कर ले जा रहा चोर गिरोह पुलिस और ग्रामीणों देखकर भागा, 53 भैंसें मिलीं, 7 लापता

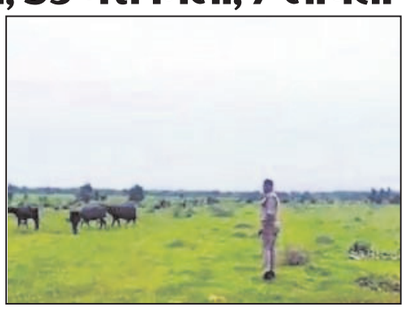

शिवपुरी ब्यूरो। पोहरी थाना क्षेत्र के अगर्रा गांव में गुरुवार दोपहर एक चोर गिरोह ने 60 भैंसों को परासरी के जंगलों की ओर हांक लिया। चरवाहे विरन आदिवासी ने ग्रामीणों को इसकी सूचना दी। ग्रामीणों ने तुरंत पोहरी थाना पुलिस को खबर की। पुलिस और ग्रामीण बड़ी संख्या में जंगल पहुंचे। उन्होंने करीब 15 किलोमीटर तक पैदल चलकर भैंसों की तलाश की। पुलिस और ग्रामीणों को देख बदमाश भैंसों को जंगल में छोड़कर फरार हो गए। देर रात तक चले सर्च अभियान में 53 भैंसें बरामद कर ली गईं। सुरेन्द्र धाकड़ की तीन और जगदीश धाकड़ की चार भैंसें अभी भी लापता हैं। पोहरी क्षेत्र में ऐसी घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं। चोर गिरोह जंगल के रास्ते भैंसों को श्योपुर जिले की सीमा में ले जाते हैं। पुलिस और ग्रामीणों की इन गिरोहों से कई बार मुठभेड़ भी हुई है, लेकिन अभी तक कोई गिरोह पकड़ में नहीं आया है।

राम कथा का हुआ समापन, हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया

(चम्बल सुरिव संवाददाता)

बीरपुर। गुप्तेश्वर महादेव पर चल रही श्रीमद् राम कथा के समापन भंडारे में हजारों की संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया राम कथा का समापन होने पर संगीतमय भजन कीर्तन हुआ व महा आरती के साथ प्रसाद वितरण किया गया. सुबह 8:00 से 10:00 तक विधि विधान के साथ सभी जजमानों से हवन पूजन कराया गया 10:30 पर दोपहर भंडारे की शुरुआत की गई. सबसे पहले कन्याओं के साथ ब्राह्मणों व साधु संतों को भंडारे में बिठाया गया दक्षिणा देकर आशीर्वाद प्राप्त किया उसके बाद क्षेत्र से आए हजारों की संख्या में भक्तों ने प्रसादी का आनंद उठाया।

वीरपुर थाना प्रभारी राजन सिंह गुर्जर का स्टाफ सहित सहयोग रहा जिससे कोई अप्रिय घटना नहीं हुई. कथा वाचक योगेश वशिष्ठ द्वारा वीरपुर की जनता व आयोजक मंडल को आशीर्वाद दिया गया।

शिवपुरी के 5 बालिका पेंचर सिलाट खिलाड़ी अस्मिता वूमेन लीग में भाग लेने इंदौर रवाना

शिवपुरी ब्यूरो। जिला पेंचक सिलाट एसोसिएशन शिवपुरी के महासचिव सैंसुइ हितेंद्र सिंह डांडे ने जानकारी देते हुए बताया कि 12 से 13 जुलाई 2025 को मध्य प्रदेश पेंचक सिलाट एसोसिएशन के मार्गदर्शन में जिला पेंचक सिलाट इन्दौर द्वारा राज्य स्तरीय अस्मिता वूमेन लीग पेंचक सिलाट प्रतियोगिता का आयोजन इन्दौर में किया जा रहा है यह पूर्ण प्रतियोगिता मध्य प्रदेश पेंचक सिलाट एसोसिएशन के महासचिव अभय श्रीवास एवं अध्यक्ष अवरार हेमद शेख के देख रेख में आयोजित की जायेगी। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए जिला शिवपुरी की टीम कोच हितेंद्र सिंह डांडे के साथ 11 जुलाई को बस द्वारा शिवपुरी से इंदौर रवाना हुई। राज्य स्तरीय अस्मिता वूमेन लीग पेंचक सिलाट में भाग लेने वाले शिवपुरी की पांच वूमेन खिलाडयों के नाम रिधिमा डांडे, खुशी कुशवाह, भक्ति पाराशर, अनुष्का रावत, एवं मुस्कान कोली, प्रतियोगिता में भाग लेने वाली बालिका खिलाड़ीयों की जीत की कामना करते हुए जिला शिवपुरी खेल अधिकारी डॉ.के.के.खरे सर, फिजिकल कॉलेज के

प्राचार्य वीरेंद्र वर्मा सर एवं कुलदीप डांडे सर, हेमंत गुर्जर, चंद्रदीप सिंह डांडे, दीपक श्रीवास, समीर प्रजापति, ईशान सिंह सभी डांडे मार्शल आर्ट अकैडमी शिवपुरी के पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ खिलाड़ीयों ने प्रतियोगिता में जीत के लिए बधाइयां और शुभकामनाएं दी हैं।

नपा के असंतुष्ट पार्षदों का द्वितीय सुन्दरकाण्ड पाठ आज

शिवपुरी। नगर पालिका के असंतुष्ट पार्षदों के द्वारा एक बार फिर से शहर के बीचों बीच माधवचौक चौराहे पर संगीतमय सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन किया जा रहा है। यहां 12 जुलाई शनिवार को सायं 6 बजे से स्थानीय माधवचौक चौराहे पर सभी असंतुष्ट पार्षदों सहित नगर के आमजन के साथ सुंदरकाण्ड पाठ करेंगें। यहां पार्षदों का कहना है कि एक बार फिर से नगर पालिका का भ्रष्टाचार उजागर हुआ है, एडीएम दिनेशचंद शुक्ला के द्वारा दी गई रिपोर्ट में नपा अध्यक्ष के कार्यकाल में बड़ा भ्रष्टाचार सामने आया है। इसके साथ ही सभी पार्षदों ने इस भ्रष्टाचार को उजगार होने को लेकर अपनी सफलता जाहिर की है और इससे उत्साहित होकर यह संगीतमय सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन किया गया है। सभी नगरवासियों एवं पार्षदों सहित नगर के गणमान्य नागरिकों, श्रद्धालुओं से आग्रह किया गया है कि नगर के विकास के लिए, विश्व शांति हेतु आयोजित सुंदरकाण्ड पाठ में शामिल होकर पुण्य लाभार्थी बनें।

विश्व जनसंख्या दिवस जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

योग्य दंपत्तियों को परिवार नियोजन हेतु करें प्रेरित- जिला कलक्टर, परिवार कल्याण क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 43 कार्मिकों, पंचायत समिति, ग्राम पंचायतों का किया सम्मान

धौलपुर ब्यूरो। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से जिला स्तरीय सम्मान समारोह शुक्रवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला कलक्टर श्रीनिधि बीटी ने परिवार कल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले ब्लॉक, पंचायत समिति, ग्राम पंचायत, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा व्यक्तिगत श्रेणी चिकित्सकों, एएनएम और आशा सहयोगिनी भी प्रोत्साहन पुरस्कार वितरित किए। इस दौरान अपने अपने उद्बोधन में जिला कलक्टर ने कहा कि विश्व में जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है बढ़ती जनसंख्या की वजह से संसाधनों की कमी होती जा रही है। जनसंख्या नियंत्रण हेतु योग्य दंपत्तियों को परिवार नियोजन के साधन अपनाने हेतु प्रेरित करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.धर्मसिंह मीणा ने कहा कि विश्व जनसंख्या दिवस पर इस वर्ष की थीम÷में बनने की उम्र वही, जब तन और मन की तैयारी सही÷ रखी गई है। इस थीम के माध्यम से महिलाओं के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा देने पर विशेष जोर रहेगा। उन्होंने कहा कि विश्व जनसंख्या दिवस मनाने का उद्देश्य समाज में जनसंख्या संतुलन, मातृत्व स्वास्थ्य और परिवार नियोजन जैसे मुद्दों पर सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा की जनसंख्या स्थिरता पखवाड़े के दौरान योग्य दंपतियों को परिवार नियोजन के साधन अपनाने हेतु प्रेरित करे। साथ ही परिवार नियोजन के उपलब्ध साधनों की जानकारी देते हुए परिवार सीमित रखने, सीमित परिवार के लाभ, प्रसवोत्तर परिवार कल्याण सेवाओ के बारे में भी अवगत करवाएं। कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (प.क.) डॉ. गौरव मीणा ने परिवार कल्याण कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि 11 से 24 जुलाई तक आयोजित जनसंख्या स्थिरता पखवाड़े के दौरान जिले के चयनित चिकित्सा संस्थानों पर लाभार्थियों को स्थाई एवं अस्थाई साधनों यथा-नसबंदी, आईयूसीडी पीपीआईयूसीडी कंडोम, गोलियां अंतरा आदि की सेवाएं प्रदान की जावेगी। चिकित्सा संस्थानों पर आने वाले योग्य दंपतियों को बास्केट ऑफ चॉइसेज के बारे के बता कर उचित परामर्श प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शिव कुमार शर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी शशांक वशिष्ठ ने भी विचार रखें।

परिवार कल्याण क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान पर किया सम्मानित

डॉ. गौरव मीणा ने बताया कि विश्व जनसंख्या दिवस के मौके पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा परिवार नियोजन के कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली पंचायत समिति बसेड़ी, 6 ग्राम पंचायतो तथा व्यक्तिगत श्रेणी में 36 चिकित्सकों, एएनएम और आशा सहयोगिनी को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

चिकित्सा संस्थानों को सुपुर्द किए वात्सल्य डिजिटल किट

कार्यक्रम के दौरान जिला कलक्टर श्रीनिधि बीटी ने गर्भवती महिलाओं को आवश्यक जांच सुविधा समुदाय स्तर पर ही उपलब्ध करवाने हेतु डिजिटल और गैर डिजिटल उपकरणों से युक्त वात्सल्य डिजिटल सुपुर्द किए। सीएमएचओ डॉ. मीणा ने बताया कि जपाईगो संस्थान के सहयोग से यह किट जिले के 8 उपस्वास्थ्य केंद्र और 7 उच्च चिकित्सा संस्थानों को उपलब्ध करवाए जा रहे है। इन डिजिटल उपकरणों के माध्यम से एएनसी के दौरान की जाने वाली जांच सीधे ही पीटीसीएस पर इंद्राज हो पाएंगे। इन आईओटी डिवाइस को एंड्रॉयड आधारित एप्लीकेशन से कनेक्ट किया जाना है जिसे एएनएम के द्वारा किए जाना है जहां सीधे ही पीटीएस में इंद्राज हो पाएंगे। जिससे एएनएम द्वारा दर्ज किए जाने वाला डाटा ब्लूटूथ के माध्यम से स्वचालित रूप से प्रवाहित होता। इन चिकित्सा संस्थानों का चयन उच्च एएनसी लोड के आधार पर किया गया है। जपाईगो कार्यक्रम अधिकारी सुमित पुरी ने किट के प्रयोग संबंधी जानकारी दी।

मनरेगा कार्य के समय में किया परिवर्तन

धौलपुर। महात्मा गांधी नरेगा योजनान्तर्गत जिले में मनरेगा कार्य के समय में परिवर्तन किया गया है। जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने बताया कि मनरेगा कार्य का समय प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे विश्राम समय दोपहर 1 बजे से 2 बजे तक किया गया है। उन्होंने कनिष्ठ तकनीकी सहायक, ग्राम विकास अधिकारी, कनिष्ठ सहायक एवं मैट को समय परिवर्तन करने लिए निर्देश दिए।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा संख्या, AGC-EL-C-T-12R-2024-25 दिनांक : 09.07.2025

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य बिजली अभियंता/नि.-/उ.म.रे./आगरा द्वारा निर्धारित फार्म पर निम्नलिखित कार्य हेतु खुली निविदा ऑन लाइन ई-टेन्डरिंग द्वारा आमंत्रित करते है।

निविदा संख्याः AGC-EL-C-T-12R-2024-25, **कार्य का नाम लोकेशन सहितः** उत्तर मध्य रेलवे के आगरा मंडल के आगरा फोर्ट-बांदीकुई (150 किमी) कार्य के संबंध में आगरा फोर्ट-बांदीकुई खंड में विभिन्न सेवा भवनों, एप्रोच रोड, क्वार्टरों, एलसी गेटों आदि का विद्युतीकरण का कार्य।	
कार्य का अनुमानित लागतः ₹ 4,06,33,470.94/-	**निविदा धरोहर राशिः** ₹ 3,53,200/-
कार्य समापन अवधिः स्वीकृति पत्र के जारी होने से 12 माह तक मानसून अवधि सहित	
निविदा बन्द होने की तिथि एवं समयः 31.07.2025 के 15:00 बजे तक	
वैधता अवधि : निविदा खोलने की तिथि से 60 दिन	

निविदाएं केवल वेब पोर्टल **www.ireps.gov.in** के माध्यम से दिनांक **31.07.2025** के **15:00** बजे तक जमा की जा सकती हैं। पूरी जानकारी के लिए कृपया भारतीय रेल की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें। 1208/25 (MG)

North central railways @ CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना संख्या : 2025-जुलाई-02 दिनांक : 10.07.2025

ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेल आगरा द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से नीचे दिये गये कार्यों के लिये "खुली निविदा" ई-टेण्डरिंग केवल ऑनलाइन के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

निविदा संख्या : 2025-जुलाई-02-01	अनुमानित लागत रु. : 33791320.08

कार्य का विवरण : सहायक मण्डल इंजीनियर प्रथम मथुरा के अधीन, मथुरा-पलवल खंड में विभिन्न यार्डों में सुधार कार्य।

निविदा को प्रस्तुत करने एवं निविदा के बारे में पूरी जानकारी के लिए भारतीय रेल की बेवसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें। निविदायें केवल बेवपोर्टल **www.ireps.gov.in** के माध्यम से **दिनांक 01.08.2025 को 15:00 बजे** तक प्रस्तुत की जा सकती हैं। 1209/25 (C)

@CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

जैविक खेती करने वाले किसानों को राज्य सरकार से 1 लाख रूपये के पुरस्कार प्राप्त करने का मिल सकता है मौका

धौलपुर ब्यूरो। बजट घोषणा 2025-26 में जैविक खेती को बढ़ावा देने के उददेश्य से क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले राज्य के श्रेष्ठ 3 कृषकों को राज्य स्तर से चयन होने पर 1 लाख रूपये का कृषि विभाग के माध्यम से राज्य सरकार द्वारा पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। जिले में भी जैविक खेती करने वाले किसानों को मौका मिल सकता है। संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार जिला परिषद ने बताया कि ऐसे किसान 5 वर्षो से कृषि, उद्यानिकी फसलों के उत्पादन का कार्य कर रहे है। जो विगत 2 वर्षो से जैविक प्रमाणिकरण करा रहे है। ऐसे किसान को वरियता दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इसके लिए जैविक खेती में कार्य करने वाले इच्छुक कृषक राजकिसान पोर्टल पर आवेदन कर सकते है। पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों को जिला स्तर पर गठित कमेटी द्वारा मूल्यांकन आधार पर, गतिविधियों की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी कर चयनित आधार को लिपिबद्ध किया जाकर कृषक के नाम की अनुशंषा की जाएगा।उन्होंने बताया कि ऐसे कृषक जैविक खेती की गतिविधियां अपनाकर गुणवत्ता युक्त उत्पादन ले रहे हो। कृषक जैविक आधारित उत्पादकों के प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन का कार्य कर रहे हो। कृषक जैविक उर्वरक जैव कीटनाशक आदि का स्वयं निर्माण एवं उपयोग करता हो। कृषक के खेत में वर्मीकम्पोस्ट इकाई, कम्पोस्ट पिट आदि बना हुआ हो। कृषक द्वारा फसल चक्र अपनाया जाता हो व हरी खाद का उपयोग करता हो। जैविक खेती सम्बन्धित कोई नवाचार प्रयोग कर रहा हो। अन्य जैविक आधारित गतिविधि अपनाई जा रही हो तथा कृषक किसी राजकीय या निजी प्रमाणीकरण संस्था से प्रमाणित हो।

अल्पसंख्यक समुदाय के बालक-बालिका छात्रावास के लिए 15 जुलाई तक कर सकते है आवेदन

धौलपुर ब्यूरो। अल्पसंख्यक मामलात विभाग तथा राज्य सरकार द्वारा सत्र 2025-26 में संचालित अल्पसंख्यक बालक-बालिका छात्रावास के लिए अल्पसंख्यक समुदाय के 50-50 सीटों के लिए पृथक-पृथक आवेदन पत्र 15 जुलाई तक आमंत्रित किए जा रहे है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने बताया कि अल्पसंख्यक समुदाय के जिला मुख्यालय पर निजी एवं राजकीय शिक्षण संस्थाओं में कक्षा 9 से उच्चतर कक्षाओं में अध्ययनरत बालक-बालिकाएं आवेदन कर सकते है। उन्होंने बताया कि विद्यार्थी प्रवेश के लिए मूल निवास प्रमाण पत्र, अल्पसंख्यक प्रमाण पत्र, संस्था में अध्ययनरत होने का प्रमाण पत्र एवं आय प्रमाण पत्र आदि दस्तावेजों सहित आवेदन पत्र जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कार्यालय में 15 जुलाई तक जमा करा सकते है।

बीरपुर में मनाया गुरु पूर्णिमा महोत्सव

बीरपुर। बीरपुर में गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धापूर्वक मनाया गया. इस अवसर पर एमएस रोड राधा कृष्ण गार्डन में लोक धाम वासी संत द्वारिका दास जी के शिष्यों द्वारा बड़े हर्षोल्लास भाईचारे के साथ गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया गया. गुरु की चरण पूजा के बाद महा आरती की गई व महाप्रसादी में सैकड़ो की संख्या में भक्तों ने प्रसादी पाई। बाबा बजरंगदास धूना मंदिर पर पर शिष्यों के साथ मंगल परिवार के द्वारा भंडारा किया गया. जिसमें हजारों की संख्या में भक्तों ने प्रसादी का आनंद उठाया.इस अवसर पर अखंड रामायण का पाठ किया गया जिसके समापन पर हबन के उपरांत ब्राह्मण भोजन किया गया।

पारंपरिक एवं विशिष्ट उत्पादों को बढ़ावा देने से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे- कलेक्टर

पारंपरिक एवं विशिष्ट उत्पादों की पहचान कर उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना, उनके सतत विकास को सुनिश्चित करना तथा निर्यात को बढ़ावा दें, मुरैना की प्रसिद्ध गजक को जीआई टैग प्राप्त, जो आने वाले समय में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में जिले की एक नई पहचान स्थापित करेगी, एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना के अंतर्गत निर्यात उन्मुख कार्यशाला का सफल आयोजन

मुरैना,कांस। मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित ÷एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी)÷ योजना का उद्देश्य प्रदेश के प्रत्येक जिले में पारंपरिक एवं विशिष्ट उत्पादों की पहचान कर उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना, उनके सतत विकास को सुनिश्चित करना तथा निर्यात को बढ़ावा देना है। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ-जैसे कि कार्यशालाएँ, प्रशिक्षण कार्यक्रम, निवेश सम्मेलनों में प्रदर्शन, ज्ञान-विनिमय सत्र आदि-निरंतर रूप से संचालित होने चाहिए। यह बात कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना ने गत दिवस एक निजी हॉटल में ''एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी)÷ योजना के अंतर्गत निर्यात उन्मुख कार्यशाला को संबोधित करते हुए कही। कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना ने ओडीओपी एवं निर्यात संवर्धन कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में खुला आर्थिक बाजार और स्वतंत्र उद्यमिता लोकतंत्र के विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि नौकरशाही की भूमिका व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने में होती है, लेकिन यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि हमारी ओर से कोई रुकावट व्यापार या उद्यमिता की राह में न बने। उन्होंने आगे कहा कि आज से 40 साल पहले वैश्विक आर्थिक परिदृश्य जैसा था, वह अब पूरी तरह बदल चुका है। अब आवश्यकता है कि हम स्थानीय स्तर पर उत्पादों को वैश्विक बाज़ार तक पहुँचाने के लिए अनुकूल माहौल बनाएं। कलेक्टर ने मुरैना के ओडीओपी उत्पाद 'गजक' का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए बताया कि मुरैना की प्रसिद्ध गजक को जीआई टैग प्राप्त हुआ है, जो आने वाले समय में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में जिले की एक नई पहचान स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि यह जिले के लिए गौरव की बात है और इससे संबंधित उद्यमियों को निर्यात की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि हमें व्यापार और उत्पादन की दक्षता के लिए चीन जैसे देशों से सीख लेनी चाहिए। खासतौर पर मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में। कलेक्टर ने कहा कि आज जो लोग ईमानदारी से व्यापार करना चाहते हैं, उन्हें कई प्रकार की व्यवहारिक बाधाओं का सामना करना पड़ता है और ऐसे में यह आवश्यक है कि शासन और प्रशासन उनके साथ खड़ा रहे। इस दिशा में भोपाल से आई आईटीआईएफसी की टीम तथा विशेषज्ञ यहां मौजूद हैं, जो उद्यमियों को हरसंभव सहयोग देने के लिए तैयार हैं। कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य स्थानीय कारीगरों, उद्यमियों एवं विभिन्न हितधारकों को निर्यात की प्रक्रिया, ब्रांडिंग, आधुनिक पैकेजिंग तकनीकों, गुणवत्ता मानकों तथा बाजार रणनीतियों से अवगत कराना था, ताकि वे राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धी बन सकें। यह आयोजन गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर सम्पन्न हुआ। जिसमें जिले के प्रमुख अधिकारियों, विशेषज्ञों एवं उद्यमियों ने भाग लिया। मध्यप्रदेश इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमपीआईडीसी) द्वारा मुरैना जिले में चयनित ओडीओपी उत्पाद के संवर्धन एवं निर्यात संभावनाओं के विषय में जागरुकता बढ़ाने हेतु एक दिवसीय निर्यात उन्मुख कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 150 से अधिक उद्यमियों, निर्यातकों एवं स्थानीय उत्पादक निर्माताओं ने सहभागिता की। कार्यशाला में वरिष्ठ प्रबंधक कॉनकोर श्री हरीश गौतम ने निर्यात प्रक्रिया में लॉजिस्टिक सपोर्ट की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कॉनकोर निर्यातकों को कंटेनर सेवाएं, रेल परिवहन और कस्टम क्लियरेंस की सुविधाएं सुलभ कराता है, जिससे समय और लागत दोनों की बचत होती है। प्रतिनिधि ईसीजीसी श्री रोशन धारने ने निर्यात बीमा और जोखिम प्रबंधन पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि ईसीजीसी निर्यातकों को भुगतान जोखिम से सुरक्षा प्रदान करता है। बैंकिंग सहायता के लिए भी विश्वास निर्माण करता है। यह बीमा कवर अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को अधिक सुरक्षित और सुगम बनाता है। ईसीजीसी (एक्सपोर्ट क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया) न सिर्फ निर्यात बीमा प्रदान करता है, बल्कि यह निर्यातकों को खरीदार की क्रेडिट प्रोफाइल और भुगतान क्षमताओं की जानकारी भी देता है, ताकि वे किसी जोखिम भरे ग्राहक के साथ व्यापार करने से पहले सतर्क रह सकें। अधिकारी स्पाइस बोर्ड ऑफ इंडिया श्री आशीष जायसवाल ने सरसों और अन्य मसालों के निर्यात में बोर्ड की भूमिका स्पष्ट की। उन्होंने बताया कि स्पाइस बोर्ड गुणवत्ता नियंत्रण, सर्टिफिकेशन, निर्यात प्रमाणीकरण और वैश्विक खरीदारों से संपर्क स्थापित कराने में अहम भूमिका निभाता है। साथ ही उन्होंने मसालों की प्रोसेसिंग और वैल्यू एडिशन को बढ़ावा देने पर बल दिया। प्रतिनिधि वॉलमार्ट इंडिया श्री विपिन सोलंकी ने बताया कि कैसे वॉलमार्ट किसानों और छोटे उद्यमियों को सीधे अपने नेटवर्क से जोड़कर उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अवसर प्रदान करता है। उन्होंने वॉलमार्ट के 'कृषि से बाजार' मॉडल की चर्चा की। जिसके तहत किसानों को तकनीकी प्रशिक्षण, गुणवत्ता मानकों की जानकारी और विपणन सहायता दी जाती है।

प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक हुई संपन्न

जौरा। प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा जौरा की एक मासिक बैठक संपन्न हुई जिसकी अध्यक्षता महेंद्र सिंह सिकरवार द्वारा की गई मीटिंग में निम्नलिखित प्रस्ताव पूर्ण सहमति से पास हुए नंबर एक मध्य प्रदेश सरकार एवं छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा मध्य प्रदेशों पेंशनरों के साथ धारा 49 छठवीं सूची का प्रयोग करते हुए पेंशनरों को महंगाई राहत की किस्त व ऐरियर दोनों राज्यों की सहमति से प्रदान करने के संबंध में धारा 49 की छठवीं की सूची को रेड एवं समाप्त करने हेतु मध्यप्रदेश विधानसभा में प्रस्ताव पारित कर केंद्र को भेजी जाए जिससे इसका निराकरण पेंशनरों के हित में हो सके दूसरा प्रस्ताव यह रखा गया की राष्ट्रीय मानवाधिकार के अध्यक्ष द्वारा पेंशनर्सन की ज्वलन समस्या पर कोई ध्यान नहीं दिया गया है इसलिए अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार के अध्यक्ष को पूर्व में दिए गए ज्ञापन में कुछ महत्वपूर्ण न्यायालयों के निर्णय एवं मध्य प्रदेश सरकार के पेंशनों के हित में दिए गए आदेशों को संलग्न नहीं किया गया था अतः उन्हें अंतरराष्ट्रीय महानवाधिकार के अध्यक्ष को सभी दस्तावेजों सहित ज्ञापन भेजा जावे दोनों प्रस्ताव मीटिंग में उपस्थित सभी साथियों द्वारा पास किए गए तीसरा प्रस्ताव यह लाया गया की मध्य प्रदेश सरकार द्वारा पेंशनर्सन की जलन से समस्याओं का आज दिनांक तक कोई हल नहीं किया गया है इसलिए प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा द्वारा एवं प्रांतीय निकाय द्वारा आह्वान किए गए दिनांक 22 जुलाई 2025 को मध्य प्रदेश के राज्यपाल के नाम दौर के अनिवार्य अधिकारी महोदय द्वारा ज्ञापन भेजे जाने का निर्णय लिया गया है जिसका सभी लोगों ने पूर्ण सहमति से समर्थन किया यह ज्ञापन दिनांक 22 जुलाई 2025 को दोपहर 12-00 बजे अधिकारी द्वारा को सौप जाएगा अतः सभी साथियों से अनुरोध है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर ज्ञापन में शामिल हो।

बाढ़ में फंसे लोगों को कैसे बचाएंगे मॉक ड्रिल में किया प्रदर्शन

जौरा। बाढ़ आपदा संबंधी मॉक ड्रिल का आयोजन अनुविभागीय अधिकारी प्रदीप सिंह तोमर तहसीलदार कल्पना कुशवाह नायब तहसीलदार श्याम सुंदर सिंह ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर आर एस सेमल की मौजूदगी में सिविल अस्पताल प्रांगण में किया गया 11 जुलाई को मॉक ड्रिल प्रदर्शन के दौरान एसडी आर एफ की टीम द्वारा मॉक ड्रिप प्रदर्शन के दौरान दो तरह की परिस्थितियों को लेकर किया गया जिसमें सबसे पहले बाढ़ की सूचना यदि स्थानीय प्रशासन की ओर से बाढ़ कंट्रोल रूम को दी जाती है कि जौरा थाना अंतर्गत बरिंड या अन्य किसी गांव में चंबल नदी के किनारे दर्जन भर ग्रामीण बाढ़ के पानी से घिर गए हैं कंट्रोल रूम द्वारा तत्काल एसडी आरएफ को सूचित किया जाता है की चंबल नदी के निकट बसे गांव में बाढ़ में ग्रामीण घिर गए हैं कंट्रोल रूम की सूचना पर से रेस्क्यू टीम घटनास्थल पर पहुंचती है एवं अलग-अलग तरह की व्यक्ति को किस तरह लिफ्टिंग एंड मूविंग के माध्यम से स्टेबलाइज किया जाता है इसका भी प्रदर्शन किया गया दूसरी स्थिति में बाढ़ में कोई व्यक्ति पानी में डूब गया है एवं उसे तुरंत रेस्क्यू की आवश्यकता है।

इसके साथ-साथ विक्टिम को सीपीआर देकर उसे स्टेबलाइज किया गया और उसे एस ओ एस तात्कालिक कैसे दी जाती है इसके बारे में भी टीम द्वारा विस्तृत जानकारी मॉक ड्रिल के माध्यम से दी गई टीम द्वारा अन्य कई उपाय भी बाढ़ के खतरे से बचने को लेकर बताए गए टीम में घनश्याम संजय उदल सोनू तोमर पिंटू रंजीत शामिल रहे इस दौरान यहां पर केके शुक्ला डॉ नरोत्तम शर्मा विशंभर धाकड़ नीरज गौड़ डॉक्टर हरेंद्र दिनकर डॉ मीणा अजय तोमर संदीप सेंगर अर्पित पाराशर अजय कुलश्रेष्ठ दौलत खान डॉक्टर श्रीमती किरण शाक्य सहित मीडिया कर्मी भी उपस्थित रहे।

सारथी रथ एवं जन-जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

शहर के सभी वार्डों में प्रचार-प्रसार कर आम नागरिकों को करेगा जागरूक

मुरैना,कांस। विश्व जनसंख्या दिवस शुक्रवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पद्मेश उपाध्याय के निर्देशन में जिला परिवार एवं कल्याण अधिकारी डॉ. एस. के. कारखुर के मार्गदर्शन में मनाया गया।इस अवसर पर मुरैना में कार्यशाला, सारथी रथ एवं जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आनंद बसंल एवं जिला परिवार एवं कल्याण अधिकारी डॉ. एसके कारखुर ने सारथी रथ एवं जन जागरूकता रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह रथ एवं रैली शहर के विभिन्न मार्गो से होकर निकाली गई, जिसमें परिवार नियोजन के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। शहर के सभी वार्डों में सारथी रथ एवं रैली के द्वारा प्रचार-प्रसार कर आम नागरिकों को जागरूक किया जायेगा। विश्व जनसंख्या स्थिरता माह 11 जुलाई से 11 अगस्त 2025 तक पूरे जिले में अभियान के रूप में मनाया जायेगा। अभियान में जन समुदाय में परिवार नियोजन के स्थाई एवं अस्थाई गर्भनिरोधक साधनों के संबंध में मैदानी स्वास्थ्य कार्यकताओं, ए.एन.एम, आशा पर्यवेक्षक एवं आशा कार्यकताओ द्वारा योग्य दम्पत्ति को प्रेरित कर महिला एवं पुरुष नसबंदी कराई जायेगी। साथ ही बच्चों में अन्तर रखने के लिए परिवार नियोजन के अस्थाई गर्भ निरोधक साधन अन्तरा इन्जेक्शन, गर्भ निरोधक गोलियां छाया, माला-एन, आपात कालिन गोलियों का वितरण किया जायेगा। साथ ही विश्व जनसंख्या स्थिरता माह के दौरान आशाओं द्वारा नई पहल किट का वितरण, सास बहू सम्मेलन, पुरुष सहभागिता सम्मेलनों को आयोजित कर परिवार नियोजन के महत्व को बताते हुए सास बहू एवं पुरुषों को विस्तृति जानकारी दी जायेगी। इस अवसर पर डिप्टी मीडिया ऑफीसर श्रीमती बसंती बाजौरिया, डिप्टी मीडिया ऑफीसर श्रीमती रामलली माहौर, श्रीमती शिवकुमारी निम बीईई, परिवार नियोजन कॉउसलर श्रीमती दीपा कौशल, मैनेजर पीएसआई इण्डिया श्री पंकज राव जाधव, शहरी सुपरवाईजर श्री महावीर सिंह इन्दोलिया, श्री रामकिशोर सोलंकी एवं समस्त शहरी आशा उपस्थित थीं।

आरोपीगणों को 01-01 वर्ष का सश्रम कारावास एवं जुर्माने से दण्डित

जौरा, न्यायालय, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी जौरा ने सुनाया फैसला

जौरा। न्यायालय मैं वीतेरोज फरियादिया केतकी सिसोदिया ने अपने पति राजेंद्र सिंह सिसौदिया ने शिकायत दर्ज कराई कि वह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत आने वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बारा पर एएनएम के पद पर पदस्थ होकर एक शासकीय कर्मचारी है। दिनांक 13.05.2021 को बीएमओ पहाडगढ़ के द्वारा आदेश दिया गया था कि किल कोरोना अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में सर्वे करके खांसी, जुकाम, बुखार के मरीजों को चिन्हित करके उन्हें दवाइयों वितरण की जावे एवं बीएमओ के आदेश के पालन में वह और उसके पति राजेंद्र सिंह ग्राम बलालपुर पहुंचे जहां आंगनबाडी कार्यकर्ता सरोज कुशवाह, गीता कुशवाह (सहायिका) को साथ लेकर गांव में सर्वे कर प्राइमरी स्कूल पर खांसी, जुकाम, बुखार के मरीजों को दवा वितरण कर रहे थे इतने में आशा कार्यकर्ता रूमाली कुशवाह, भूरी कुशवाह, और विशम्बर कुशवाह आए और चारों तरफ से उसे घेर लिया और मां बहन की गंदी गंदी गाली गलौच करने लगे और कहने लगे कि उन्हें कोई दवाई नहीं चाहिए यहाँ से चले जाओ व नही गऐ तो उनको मारने के लिए दौडे। आरोपीगण द्वारा शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाई गई। जिसकी रिपोर्ट फरियादि ने थाना निरार मे की।माननीय न्यायालय ने सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी श्री लखन लाल आर्य के तर्कों को स्वीकार करते हुये आरोपी भूरी कुशवाह, आशा कुशवाह एवं विशम्बर कुशवाह को धारा 353 भादसं में 01-01 वर्ष की सश्रम कारावास व कुल 3000 रुपये का अर्थदण्ड।

बच्चों के वजन, ऊँचाई, लंबाई करने के लिए आंगनबाड़ी केन्द्रों पर रोस्टर तैयार करें

मुरैना,कांस। संचालनालय महिला एवं बाल विकास मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार माह जुलाई 2025 में 10 दिवसीय शारीरिक माप दिवसों का आयोजन 11 जुलाई से 22 जुलाई 2025 तक की अवधि में मुरैना जिले के अंतर्गत जिले की 2609 आंगनबाड़ी केन्द्रों पर वजन अभियान के रूप में बच्चां का बजन, ऊँचाई, लम्बाई का मापन आंगनबाडी कार्यकताओं द्वारा किये जाने के निर्देश है। निर्देशों के तहत जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री ओपी पाण्डे द्वारा समस्त आंगनबाडी केंद्रों पर रोस्टर तैयार कर समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारी, समस्त पर्यवेक्षक की डयूटी निर्धारित 10 दिवसों के लिए लगाई गई है। जिसके भौतिक सत्यापन हेतु महिला बाल विकास विभाग के संभागीय संयुक्त संचालक डॉ. डीके सिद्धार्थ चंम्बल संभाग मुरैना एवं परियोजना अधिकारी श्रीमती निशा शंखवार द्वारा परियोजना मुरैना ग्रामीण के आंगनबाडी केन्द्र डोगरपुर किरार-172, डोगरपुर किरार-178, जींगनी-225 का संयुक्त निरीक्षण किया गया। जिसमें संयुक्त संचालक ने उन 16 बच्चो के बजन, ऊंचाई, लम्बाई का भौतिक सत्यापन किया, जिनका बजन, ऊंचाई, लम्बाई पिछले 03 माह से स्थिर बताई जा रही थी।आंगनबाडी कार्यकर्ताओ द्वारा बजन, ऊंचाई, लम्बाई में की जा रही त्रुटियों को सुधार करने हेतु निर्देशित किया गया।

कैलारस नगर में 39 पीएम आवास हितग्राहियों ने किया गृह प्रवेश, भाजपा सरकार को जताया धन्यवाद

कैलारस। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्मित कुल 39 आवासों का आज शुक्रवार को कैलारस नगर में गृह प्रवेश कराया गया। कार्यक्रम को लेकर नगर परिषद द्वारा विशेष रूप से आठ दल बनाए गए थे, जिनके पार्षदों ने अलग-अलग वार्डों में पहुंचकर आवासों का विधिवत रूप से फीता काटकर हितग्राहियों का गृह प्रवेश सम्पन्न कराया।

गृह प्रवेश कार्यक्रम वार्डवार इस प्रकार सम्पन्न हुआ -

वार्ड 1 में 9 हितग्राही, वार्ड 2 में 6, वार्ड 3 में 4, वार्ड 5 में 3, वार्ड 6 में 5, वार्ड 7 में 2, वार्ड 9 में 2 और वार्ड 14 में 2 कुल 39 पीएम आवासों का गृह प्रवेश कराया गया। गृह प्रवेश कार्यक्रम में अध्यक्ष अंजना ब्रजेश बंसल ने कहा भाजपा सरकार का वादा है कि वह प्रत्येक आवास हीन को आवास दिलाकर रहेगी। जिसके लिए सतत कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों ने भाजपा सरकार और नगर परिषद कैलारस का आभार जताया और अपने-अपने नवनिर्मित आवासों में प्रवेश किया। कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष अंजना बंसल, उपाध्यक्ष सीमा अशोक राणावत, पार्षदगण कल्लू कुशवाह, अनीता संजय शाक्य, बीरेंद्र सोलंकी, अनीता राजू गुप्ता, धारा सिंह, रीना कुलदीप भदौरिया, दिनेश हरदेनिया, लक्ष्मी पूरन शिवहरे, सीमा रवेंद्र राठौर, दरोगा खान, विनीता विनोद पलैया, सियाराम सिंह, ब्रजेश बंसल, रामहेत धाकड़ सहित सैकड़ों की संख्या में स्थानीय नागरिक, हितग्राही एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जिले में अब तक 377.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

मुरैना,कांस। मुरैना जिले में 01 जून से 11 जुलाई, 2025 तक 377.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है, जो गत वर्ष की तुलना में 161.9 मिलीमीटर वर्षा अधिक है। पिछले वर्ष इसी अवधि में 215.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज हुई थी। अधीक्षक भू-अभिलेख मुरैना ने बताया कि जिले में 01 जून से 11 जुलाई तक सर्वाधिक वर्षा मुरैना में 523 मिलीमीटर दर्ज की गई है। पोरसा में 441, सबलगढ़ में 391, जौरा में 330, अम्बाह में 299.4 और कैलारस तहसील में सबसे कम 281 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। 11 जुलाई, शुक्रवार को सर्वाधिक 57 मिलीमीटर वर्षा अम्बाह में दर्ज की गई है। पोरसा में 37, जौरा में 17, सबलगढ़ में 9 और कैलारस में 4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

चौकी क्यारी नदी में डूबे मुकेश का की डेड बॉडी रेस्क्यू टीम द्वारा दूसरे दिन। निकाली

मौके पर मौजूद रहा पुलिस प्रशासन राजस्व विभाग, ओर रेस्क्यू दल

कैलारस। थाना क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम चौकी में कुंवारी नदी में मकानों में सटरिंग के मजदूर मुकेश धाकड़ निवासी खिरी के 9 जुलाई को शाम को डूबने की आशंका जताई जा रही थी क्योंकि उसकी चप्पल क्यारी नदी के घाट पर मिली। ओर मुकेश चौकी में जहां काम कर रहा था वहां वापस नहीं लौटा। इसी के चलते। डूबने की आशंका पर प्रशासन को सूचना दी कल रेस्क्यू दल ओर प्रशासन दिन भर क्यारी नदी में तलाश करता रहा ओर अंत में रेस्क्यू बंद किया आज शुभ फिर से रेस्क्यू दल ने लापता मुकेश की तलाश की तो घटना स्थल से 7 किलोमीटर दूर गरमोरा ओर किरांच के बीच लगभग 7 किलोमीटर दूर मुकेश धाकड़ की डेड बॉडी को रेस्क्यू दल ने निकाला व्यक्ति मकानों की छत पर सटरिंग का काम करता था, पुलिस प्रशासन, राजस्व विभाग , रेस्क्यू टीम , जनप्रतिनिधि और ग्रामीण सभी लोग मौके पर पहुँच गए हैं। रेस्क्यू टीम द्वारा 10 जुलाई से तलाश प्रारंभ कर दी थी आज दूसरे दिन मुकेश की डेड बाड़ी निकालने में सफल हुए जनपद पंचायत कैलारस के चौकी गाँव में 10 दिन से छत डालने का काम एक निजी मकान चल रहा था, यही से कार्य करके अपने अन्य साथियों से हाथ मुंह धोने की बोलकर 9 जुलाई 5 बजे मुकेश धाकड़ उर्फ मुन्नु पिता देवीलाल धाकड़ उम्र 48 वर्ष निवासी खिरी चला गया फिर देर रात तक लौटकर नहीं आया,फिर देखभाल करी तो क्वारी नदी जो गाँव के पास ही बह रही थी, उसके पास ही नदी किनारे लापता की मुकेश की चप्पल रखी थीं आज सुबह ही ग्रामीणों ओर सूचना मिलने पर खिरी गाँव से उसके भाई, हुकम सिंह धाकड़ निवासी खिरी मौके पर पहुँच गए हैं, पुलिस ,एवं राजस्व टीम मौके पर है, एसडीआरएफ टीम मौके पर पहुँची ओर सर्च अभियान चलाया आज 11 जुलाई को उसकी डेढ़ बाड़ी रेस्क्यू दल ने निकली ओर परिजनों को सौंप दी बाड़ी को पोस्ट मार्टम के लिए कैलारस स्वास्थ्य केंद्र लाया गया हे मौके पर राजस्व विभाग की ओर से नरेश शर्मा तहसीलदार कैलारस विश्राम सिंह बघेल आर आई बृजेंद्र सिंह धाकड़, पटवारी रामभजन शाक्य , माखनलाल अर्गल ,सरपंच प्रीतम सिंह धाकड़ जिला पंचायत सदस्य अमर सिंह धाकड़ हेमंत धाकड़, राजपाल सिंह सिकरवार रेस्क्यू टीम में करन पचौरी जितेन्द्र नरवरीया बैच .चेतन विजय डडोतिया के अलावा सहित सेकडो ग्रामीण मौके पर ही मौजूद रहे मुकेश धाकड़ मेरे चाचा हे ग्राम चौकी में शटरिंग का कार्य कर रहे थे 9 जुलाई की शाम हाथ मुंह धोने क्यारी नदी पर गए पेर फिसल जाने दे क्यारी नदी में बह गए आज रेस्क्यू टीम ने उनकी डेढ़ बाड़ी निकाली हे। **नलबीर धाकड़ मृतक मुकेश का भतीजा पंचायत सचिव खीरी**

माता-पिता के नाम पर एक पौधा जरूर लगाएं : अंजना बंसल

नगर परिषद के मातृ-पितृ वन में हुआ पौधरोपण कार्यक्रम, 50 पौधे लगाए गए

कैलारस। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरुवार को देर शाम के समय नगर परिषद कैलारस द्वारा मातृ-पितृ वन में विशेष पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें नगर परिषद अध्यक्ष अंजना बृजेश बंसल, पार्षदगण, नगरवासी महिला-पुरुषों सहित कर्मचारियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में पीपल, पाखर, बरगद, ऊमर जैसे पर्यावरण हितैषी लगभग 50 पौधे रोपे गए। पौधों की सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड भी लगाए गए और सभी ने पौधों की देखरेख का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान नगर परिषद अध्यक्ष अंजना बंसल ने कहा, ÷अक्सर लोग पौधे तो लगाते हैं लेकिन बाद में उनकी देखरेख नहीं करते। हमें संकल्प लेना चाहिए कि अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अपने माता-पिता के नाम जरूर लगाएं और उसे संरक्षित करें।÷ कार्यक्रम ने पर्यावरण संरक्षण और पारिवारिक मूल्यों के प्रति एक सकारात्मक संदेश दिया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से नगर परिषद अध्यक्ष अंजना बृजेश बंसल के साथ, राधा गर्ग, कुसुम लता गोयल, सपना गोयल, ज्योति सिंघल, संजना बंसल, बृजेश बंसल,अशोक राणावत, कल्लू कुशवाह, संजय शाक्य, दरोगा खान नगर परिषद के कर्मचारीगण लक्ष्मण सिंह नामदेव, रामसिया साकेत, अमृतलाल कुशवाह, साहिल खान सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

पॉलीटेक्निक में पांचवे दिन बीएलओ का प्रशिक्षण संपन्न

मुरैना,कांस। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार बीएलओ के प्रशिक्षण का कार्य प्रदेश के साथ-साथ मुरैना जिले की 06 विधानसभा क्षेत्रों के लिए चल रहा है। कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना के मार्गदर्शन में सुमावली, मुरैना और दिमनी विधानसभा क्षेत्र के अलावा अम्बाह, जौरा और सबलगढ़ में भी बीएलओ का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स ने बताया कि बीएलओ फ़ॉर्मेट 1-9 के अनुसार घर-घर सर्वेक्षण का रिकार्ड रखेंगे। यह रजिस्टर 'बीएलओ ऐप' पर भी उपलब्ध रहेगा। फॉर्म 6, फॉर्म 7 और फॉर्म 8 पर बीएलओ को अपना नाम, मोबाईल नम्बर व मतदान केंद्र का नाम लिखना चाहिए (ताकि निर्वाचक बीएलओ से संपर्क कर सकें)। बीएलओ चुनाव संबंधी दायित्वों को पूरा किए बिना अवकाश पर नहीं जाएंगे। स्थानांतरण होने पर बीएलओ निर्वाचन संबंधी सभी कागजात, रिकॉर्ड और रजिस्टर अपने उत्तराधिकारी बीएलओ को सौंपेंगें और यदि कोई बीएलओ नियुक्त नहीं किया जाता है तो एईआरओ व ईआरओ को सौंपेंगें। स्वीप गतिविधियों में भी शामिल होंगें।

आपदा प्रबंधन को लेकर तहसीदार ने ली कोटवारों की बैठक

कैलारस। लगातार हो रही वर्षात को लेकर कैलारस तहसीलदार नरेश शर्मा ने तहसील प्रांगण में कोटवारों की ली बैठक तहसीलदार नरेश शर्मा ने तहसील कैलारस राजस्व के अंतर्गत ग्राम कोटवारों की वैठक ली गई बैठक के दौरान तहसील नरेश शर्मा ने सभी कोटवारों से कहा कि आप सभी लोग अपने अपने क्षेत्र निगरानी बनाए रखें अपने आसपास के ग्रामीण क्षेत्रो में नदी नाले पुल, पुलिया एवं रपटों तलाव फोकर सहित अन्य ऐसी जगह जहाँ पर भी वर्षात से उफान पर आते हैं या जल भराव होता हैं तो वहा पर आप सभी लोग निगरानी करते रहे जिससे कि कोई दुर्घटना ना हो वही अगर पुल, पुलिया,रपटाओ सहित अन्य जगह वर्षात का पानी ऊपर हो तो तत्काल बाढ़ आपदा कार्यालय सहित मूझे सूचना दें वही सूचना बोर्ड लगवाए पंचायत का अमला भी इस मौसम में सतर्क रहे ऐसी किसी भी स्थिति पर निगरानी रखे।

एक पेड़ माँ के नाम, किया पौधारोपण

(चम्बल सुर्खि संवाददाता)

विजयपुर। कुनो नेशनल पार्क रेंज विजयपुर के मार्गदर्शन में एनपीवीआर गोपालपुर में ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ पौधा रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जहार सिंह रेंजर व हरी प्रताप सिंह की उपस्थिति में जीनियस एकेडमी के कक्षा 5वीं से 10वीं तक के छात्र-छात्राओं द्वारा पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना और विद्यार्थियों को प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्व का भाव देना था। इस अनूठे अभियान में प्रत्येक छात्र ने अपनी माँ के नाम से एक पौधा लगाकर पर्यावरण के साथ-साथ पारिवारिक मूल्यों को भी सम्मानित किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य बलभद्र शर्मा, संचालक मुकेश कुमार गौड़ एवं विद्यालय के समस्त शिक्षकगण भी उपस्थित रहे।

बहनों के हौसले की मजबूत डोर खुशियां हर ओर

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री
डॉ. मोहन यादव
द्वारा

1.27 करोड़ लाड़ली बहनों को
26 वीं किस्त के
₹ 1543.16 करोड़

56.74 लाख सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों को **₹ 340 करोड़**

30 लाख से अधिक बहनों को सिलेंडर रीफिलिंग राशि **₹46.34** करोड़ का सिंगल क्लिक से अंतरण

अपराह्न 2:30 बजे | ग्राम पंचायत नलवा, जिला उज्जैन

राज्य स्तरीय निषादराज सम्मेलन

मछुआ कल्याण के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं हितलाभ वितरण

अपराह्न 1:00 बजे । मुक्ताकाशी मंच, कालिदास अकादमी, उज्जैन

12 जुलाई 2025

D-11064/25

सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents @jansampark.madhyapradesh @JansamparkMP JansamparkMP